राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार 1 नवम्बर 2020 वर्ष-3, अंक -276 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला- महज शादी के लिए धर्म परिवर्तन वैध नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि महज शादी के लिए धर्म परिवर्तन करना वैध नहीं है। कोर्ट ने दो अलग-अलग धर्म के प्रेमी युगल की याचिका को खारिज करते हुए उन्हें संबंधित मजिस्ट्रेट के समक्ष हाजिर होकर अपना बयान दर्ज कराने की छूट दी है। याचिका में परिवार वालों को उनके शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप करने पर रोक लगाने की मांग की गई थी। कोर्ट ने मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति एमसी त्रिपाठी ने प्रियांशी उर्फ समरीन व अन्य की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि लड़की ने 29 जून 2020 को हिन्दू धर्म स्वीकार किया और एक महीने बाद 31 जुलाई 2020 को शादी कर ली। रिकार्ड से स्पष्ट है कि धर्म परिवर्तन शादी करने के लिए किया गया है। कोर्ट ने नूरजहां बेगम केस के फैसले का हवाला दिया, जिसमें कोर्ट ने कहा है कि शादी के लिए धर्म बदलना स्वीकार्य नहीं है। इस केस में हिन्दू लड़की ने धर्म बदलकर मुस्लिम लड़के से शादी की थी। सवाल था कि क्या हिन्दू लड़की धर्म बदलकर मुस्लिम लड़के से शादी कर सकती है और यह शादी वैध होगी या नहीं। कोर्ट ने कुरान की हदीसों का हवाला देते हुए कहा कि इस्लाम के बारे में बिना जाने और बिना आस्था विश्वास के धर्म बदलना स्वीकार्य नहीं है। यह इस्लाम के खिलाफ है। इसी फैसले के हवाले से कोर्ट ने मुस्लिम से हिन्दू बनकर शादी करने वाली याची को राहत देने से इनकार कर दिया है।

अगर चुनावों नतीजो मे रोजगार मुद्दे का दिखा असर, तो देश को एक नई राह दिखाएगा बिहार

नई दिल्ली। बिहार के चुनावी समर में रोजगार मुख्य मुद्दा बनता दिख रहा है। चुनाव के नतीजों पर यदि इसका असर होता है तो फिर देश में आने वाले चुनावों में भी यह मुद्दा उभर सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि रोजगार के मुद्दे से बिहार में चुनावी हवा बदली है। रोजगार के मुद्दे विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा चुनाव, कभी भी केंद्र में नहीं रहे। या यूं कहें कि युवाओं के मुद्दों की हमेशा उपेक्षा होती रही है। विपक्ष रोजगार के मुद्दे उठाता जरूर है, लेकिन कभी ऐसा नहीं दिखा कि यह चुनाव का प्रमुख मुद्दा बना हो और चुनाव पर असर डाला हो, लेकिन बिहार में जिस प्रकार से रोजगार का मुद्दा केंद्र बिन्दु में आ चुका है, इससे स्पष्ट संकेत है कि रोजगार के मुद्दे पर बिहार की

राजनीतिक हवा बदल रही है।

भारत के संदर्भ में यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारी युवा आबादी बढ़ रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में करीब 35 फीसदी आबादी युवा है। यह स्थिति करीब-करीब अगले दो दशकों तक बनी रहेगी, जिसके बाद युवा आबादी घटनी शुरू होगी। शिक्षा और तकनीकी शिक्षा का दायरा बढ़ने से वह रोजगार योग्य भी है।

सोशल मीडिया ने उनकी दिलचस्पी चुनावों में भी बढ़ाई है। रोजगार चाहने वाले बढ़ने और रोजगार की कमी से यह वर्ग अपने हितों को लेकर सतर्क हैं। इसलिए युवाओं के लिए रोजगार का मुद्दा है। इस मामले में बिहार के चुनाव नतीजे अहम होंगे। यह देखना होगा कि रोजगार का मुद्दा नतीजों पर कितना असर डालता है। दूसरे, क्या यह सिर्फ युवा मतदाताओं तक सीमित रहता है या फिर विस्तृत होकर आम लोगों का मुद्दा बन पाता है?

राजनीतिक विश्लेषक अभय कुमार दुबे कहते हैं कि बिहार चुनावों में यह मुद्दा उभरा है, लेकिन यदि इससे परिणाम पर फर्क पड़ता है तो फिर देश की चुनावी हवा में परिवर्तन होना तय है। जिस प्रकार राजद के 10 लाख नौकरियों के वादे के बाद भाजपा ने 19 लाख रोजगार के अवसर पैदा करने का आश्वासन दिया, उससे साफ है कि राजनीतिक दल भी इस मुद्दे की अहमियत को समझ रहे हैं।

बिहार चुनाव-कांग्रेस के हिस्से वाली सीटों पर भाजपा की नजर, जीत हासिल करने को इस प्लान पर कर रही काम

पटना। बिहार की चुनावी जंग में आतंकवाद का मुद्दा भी अहम हो गया है। जम्मू-कश्मीर में गुरुवार को भाजपा के तीन कार्यकर्ताओं की आतंकियों ने हत्या कर दी थी। भाजपा इसको लेकर आक्रामक है। इसका असर सामाजिक समीकरणों के ध्रुवीकरण पर पड़ सकता है। इसके पहले महबूबा मुफ्ती के तिरंगा को लेकर दिए बयान को भी भाजपा ने उठाया था। भाजपा ने पुलवामा की घटना पर पाकिस्तान के खुलासे पर भी विपक्ष को घेरा है। दूसरी तरफ कांग्रेस ने महबूबा की रिहाई के समय पर सवाल उठाया था।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में अपने तीन कार्यकर्ताओं की हत्या के बाद भाजपा के तेवर आक्रामक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन पर गहरा दुख भी जताया है। नड्डा ने दो टूक कहा है कि इन कार्यकर्ताओं का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। नड्डा ने इसे कायराना हमला करार देते हुए कहा है कि ऐसे राष्ट्रभक्तों का जाना देश के लिए बड़ी क्षति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी युवा कार्यकर्ताओं की हत्या की भर्त्सना

करते हुए कहा है कि वे जम्मू-कश्मीर में उत्कृष्ट काम कर रहे थे। बिहार के चुनाव में रोजगार के बड़े मुद्दे व सत्ता

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में अपने तीन कार्यकर्ताओं की हत्या के बाद भाजपा के तेवर आक्रामक हैं।

विरोधी रुख को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन की चिंताएं पहले से बढ़ी हुई हैं। विपक्ष के एम-वाई समीकरण की चुनौती भी है। ऐसे में एनडीए खासकर भाजपा राजद और कांग्रेस पर ज्यादा हमलावर है। भाजपा राष्ट्रीय मुद्दों पर कांग्रेस को ज्यादा घेर रही है। चूंकि इस बार कांग्रेस काफी सीटों पर चुनाव लड़ रही है और भाजपा का मानना है कि वहां पर वह राजद के साथ मुकाबले वाली सीटों की तुलना में ज्यादा प्रभावी है। इसलिए कांग्रेस को कठघरे में खड़ा कर बढ़त बनाने की कोशिश की जा रही है। पार्टी के एक प्रमुख नेता ने कहा है कि चुनाव देश का हो या राज्य का उसका असर पूरे देश पर पड़ता है। इसलिए किस दल का चाल चेहरा चरित्र कैसा है, यह जनता के सामने आना चाहिए। खासकर आतंकवाद के मुद्दों पर सवाल उठा कर सबूत मांगने वालों का सच बिहार की जनता भी जाने। जम्मू-कश्मीर की घटनाएं वैसे तो राज्य के चुनावों से सीधा कोई ताल्लुक नहीं रखती हैं, लेकिन ध्रुवीकरण की स्थिति बनने पर यह घटनाएं असर डालती हैं। पुलवामा की घटना पर पाकिस्तान से हुए खुलासे के बाद भाजपा को विपक्ष पर हमलावर होने का मौका भी मिला है और वह कांग्रेस से लेकर विपक्ष के तमाम दलों के सबूत मांगने की बात पर करारे प्रहार कर रही है।

भारत की कोवैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल की तैयारी में AIIMS, पहले दोनों चरण के परीक्षण रहे हैं सफल

नई दिल्ली। कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में अपना कोहराम मचा रखा है। कहा गया है कोरोना वैक्सीन के आने पर इससे छुटकारा पाया जा सकता है। इसलिए दुनियाभर के तमाम देशों में कोरोना वैक्सीन के परीक्षण चल रहे हैं। इसी तरह भारत में भी कोविड-19 वैक्सीन का ट्रायल करने वाला अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अगले सप्ताह की शुरुआत में आचार समिति के सामने भारत बायोटेक के एंटी कोरोनावायरस (कोविद -19) वैक्सीन उम्मीदवार के लिए तीसरे चरण के नैदानिक परीक्षण शुरू करने का प्रस्ताव प्रस्तुत करने सकता है। भारत बायोटेक को पिछले हफ्ते भारत के ड्रग्स कंट्रोलर जनरल से भारत में अपने विरोधी कोविद -19 वैक्सीन उम्मीदवार कोवाक्सिन के तीसरे चरण के नैदानिक परीक्षणों का संचालन करने की मंजूरी मिल गई थी और ऐम्स ट्रायल के लिए आयोजित किए जानी वाली साइट्स में से एक है। ऐम्स दिल्ली के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ संजय राय पुष्टि करते हुए कहते हैं, प्रस्ताव 3 चरण के परीक्षणों के लिए तैयार किया जा रहा है, और कुछ दिनों के भीतर हम इसे अप्रूवल के लिए संस्थान की आचार समिति को सौंप देंगे। डॉ राय अस्पताल में कोवाक्सिन परीक्षणों के लिए मुख्य अन्वेषक भी हैं। ट्राल को शुरू करने से पहले किसी भी साइट्स की अनुमति लेना आवश्यक है। देश के बायोमेडिकल रिसर्च रेगुलेटर-इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार, एक नैतिक समिति के लिए क्लिनिकल रिसर्च की निगरानी करना और परीक्षण शुरू करने की अनुमति देने से पहले किसी भी साइट पर प्रस्ताव की पूरी तरह से समीक्षा करना आवश्यक है। ऐम्स की आचार समिति में 15 सदस्य हैं, और आवश्यक अनुमोदन देने के लिए लगभग 10-14 दिन लगने की उम्मीद है। संजय राय ने कहा, प्रस्ताव लगभग 200 से 300 पेजों का है जिसे ठीक से पढ़ने में समय लगता है।

पीएम मोदी ने दी सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

अहमदाबाद। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की आज (31 अक्टूबर) 145वीं जयंती है, जिसे पूरा देश राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मना रहा है. इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्टेच्यू ऑफ यूनिटी पर पूजा की।

यह है कार्यक्रम

बता दें कि पीएम मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं और आज उनके दौरे का आखिरी दिन है. सुबह 8 बजे पीएम मोदी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार पटेल को नमन करेंगे। फिर सुबह 9 बजे राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में शामिल हुए, यहां वे लोगों को संबोधित भी करेंगे. सुबह 11 बजे पीएम मोदी सिविल सर्विस के नए बैच के अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। सुबह 11:45 पर पीएम केवडिया वॉटर एयरोड्रम का उद्घाटन किया और इसके बाद साबरमती रिवरफ्रंट पर देश की पहली सी प्लेन

सर्विस का भी शुभारंभ किया।

राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान

केंद्र सरकार लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय अखंडता दिवस के रूप में मना रही है. सरदार पटेल देश के पहले उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री थे। आजादी के बाद भारत के एकीकरण में उनका योगदान अतुलनीय है और प्रधानमंत्री मोदी इसी योगदान को सम्मान देने के लिए गुजरात पहुंचे हैं। सरदार पटेल ने 565 रियासतों का विलय कर भारत को एक राष्ट्र बनाया था. गौरतलब है कि गुजरात में सरदार पटेल की याद में 182 फीट ऊंची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाई गई है।

पहले दिन कई उद्घाटन किये

अपने दौरे के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया और सरदार सरोवर डैम के लिये डायनमिक लाइटिंग का उद्घाटन किया. साथ ही यूनिटी ग्लो गार्डन, कैक्टस गार्डन का दौरा भी किया. पीएम मोदी ने Statue of Unity वेबसाइट, केवडिया mobile application और केवडिया में सरदार पटेल जूलॉजिकल पार्क में जंगल सफारी की शुरुआत की. मोदी ने जूलॉजिकल पार्क का टूर भी किया।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने आरोग्य वन, एकता मॉल और चिल्ड्रन न्यूट्रिशन पार्क का भी उद्घाटन किया. यहां न्यूट्री ट्रेन की सवारी भी की. गुरुवार सुबह गुजरात पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने केशुभाई पटेल और नरेश कनोडिया-महेश कनोडिया को भी श्रद्धांजलि दी।

मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ''हमारी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि।'' इंदिरा गांधी भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री थी। आज ही के दिन 1984 में उनकी हत्या कर दी गई थी। इंदिरा गांधी जनवरी 1966 से मार्च 1977 तक देश की

प्रधानमंत्री रहीं। इसके बाद 1980 में दोबारा वह इस पद पर पहुंचीं। वह वर्ष 1959 से 1960 तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष भी रहीं।

तेज हवाओं के बगैर पंजाब से दिल्ली कैसे पहुंचा प्रदूषण? जानें क्या है शोध में दावा

नई दिल्ली। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के वैज्ञानिकों ने एक शोध में दावा किया है कि सर्दियों के दौरान जब दिल्ली में प्रदूषण चरम पर होता है तब पंजाब में हवाओं की गति बेहद शांत रहती है। इससे प्रदूषण का साढ़े तीन सौ किलोमीटर दूर दिल्ली पहुंचना संभव नहीं। डिपार्टमेंट ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड एग्रीकल्चर मेटरोलॉजी के शोधकर्ताओं- प्रभजोत कौर, सुखजीत कौर एवं संदीप सिंह संधू ने 2017-19 के बीच पंजाब में दस स्थानों पर हवा की गति का विश्लेषण किया। यह विश्लेषण प्रत्येक वर्ष 01 अक्तूबर से लेकर 16 दिसंबर के बीच 77 दिनों का किया गया। शोध टीम की प्रमुख प्रभजोत कौर ने कहा कि हवा में प्रदूषण के दूर तक बहने की संभावना तभी रहती है जब हवा की गति पांच किलोमीटर प्रतिघंटा से ज्यादा हो। हवा की गति कम होने पर प्रदूषण कण मुश्किल से कुछ ही किलोमीटर तक जा सकते हैं। इस शोध में पाया गया है कि 2017 में 77 में से 58 दिन, 2018 में 42 दिन तथा 2019 में 44 दिन हवा की गति दो किलोमीटर प्रतिघंटा से कम थी। जबकि 2017 में 19 दिन, 2018 में 35 दिन तथा 2019 में 32 दिन हवा की गति दो किलोमीटर से ज्यादा लेकिन पांच किलोमीटर से कम थी। तीन सालों में सिर्फ एक दिन 7 नवंबर 2019 को हवा की गति 5.9 किलोमीटर प्रतिघंटा दर्ज की गई। लेकिन इस

दिन हवाओं का रुख दक्षिण पूर्व-पूर्वीय थी। यानी हवाएं हरियाणा-दिल्ली की तरफ से पंजाब की ओर आ रही थी। अध्ययन में दावा किया है कि हवाओं के रुख से साफ है कि न तो पंजाब से न तो प्रदूषण बाहर निकल पा रहा था और न ही बाहर से पंजाब में आ पा रहा था। यह स्थिति एक बंद कमरे जैसी थी। दरअसल, अक्टूबर- नवंबर में तापमान घटने के कारण हवाओं का प्रवाह न्यूनतम हो जाता है, जिससे प्रदूषण कण हवा में लटके रहते हैं। यह वायुमंडल में एक ज्यादा ऊंचाई पर भी नहीं बढ़ पाते।

लखनऊ, गोरखपुर के बाद अब अलीगढ़ में भी होगा कोरोना वैक्सीन का ट्रायल

एएमयू के मेडिकल कॉलेज को मिली हरी झंडी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में कोरोना वैक्सीन ट्रायल के लिए आइसीएमआर ने हरी झंडी दिखा दी है।अनुमति मिलने के बाद कॉलेज ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। देश भर में कोरोना संक्रमण के खतरे के बीच आइसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) की ओर से बड़ा फैसला लिया गया है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज को कोरोना वैक्सीन के ट्रायल को हरी झंडी दिखा दी गई है। इससे पहले कोरोना वायरस वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल के लिए लखनऊ के पीजीआई और गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज को अधिकृत किया गया था। भारत बायोटेक द्वारा बनाई गई कोविड वैक्सीन का ह्यूमन ट्रायल किया जाएगा। कॉलेज और आइसीएमआर के बीच पिछले कई दिनों से पत्राचार चल रहा था। शुक्रवार को आइसीएमआर की ओर से ट्रायल करने सम्बंधी पत्र मेडिकल कॉलेज को प्राप्त हो गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर तारिक मंसूर एवं मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर शाहिद अली सिद्दीकी ने कोरोना वायरस के क्लीनिकल ट्रायल के आदेश की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को ही वैक्सीन के ट्रायल को लेकर एक पत्र उनको मिला है। ट्रायल से पहले एथिकल कमेटी बनाई जाती है। कमेटी में डॉक्टर, समाजसेवी और वकील आदि को शामिल करने का प्रावधान है। एथिकल कमेटी के रिकमेंडेशन पर ही ट्रायल किया जाता है। वैक्सीन का ट्रायल उसी व्यक्ति पर किया जाता है जिसको पहले विषय वस्तु के बारे में जानकारी दे दी जाती है। उस व्यक्ति की सहमति पहले ली जाती है। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति पर ट्रायल किया जाएगा, उसको वैक्सीन के बारे में पूरी जानकारी पहले से दी जाएगी। ट्रायल के विभिन्न चरण होंगे। जिसको डॉक्टरों की एक्सपर्ट टीम बहुत सूक्ष्म स्तर तक विश्लेषण करेगी। शरीर में होने वाले बदलाव और उस वैक्सीन के असर को भी बहुत सूक्ष्म स्तर तक देखा जाएगा।

एक हजार लोगों को होगा ट्रायल

मेडिकल कॉलेज में वैक्सीन का ट्रायल एक हजार लोगों पर किया जाएगा। इसमें हर उम्र के लोगों को शामिल किया जाएगा। कॉलेज में इसकी तैयारियां पत्र मिलने के साथ ही शुरू कर दी गई है।

14 नवंबर से शुरू होगा काम

आइसीएमआर की ओर से मिले पत्र में उल्लेख किया गया हैं कि वैक्सीन के ट्रायल पर काम 14 नवंबर से शुरू होगा। इससे पहले कॉलेज अपने स्तर से अपने विशेषज्ञों की टीम तैयार करेगा।

कॉलेज में प्लाज्मा थैरेपी की पिछले दिनों मिली थी स्वीकृति

जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में कोरोना मरीजों के लिए प्लाजमा थेरेपी की सुविधा भी उपलब्ध है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

फ्रांस पर आतंकी हमला

फ्रांस में आतंकवाद का जो वीभत्स चेहरा हमें इन दिनों देखने को मिल रहा है, वह दुनिया की कई राजनीतिक स्थापनाओं पर तो उंगली उठाता ही है, साथ ही, उन तरीकों पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है, जो चरमपंथ से निपटने के लिए अपनाए जाते हैं। अभी कुछ ही समय पहले की बात है, जब तक सीरिया और इराक के कुछ इलाकों में अल बगदादी और उसका संगठन आईएसआईएस काबिज था, तो ऐसा लगता था कि दुनिया ने आतंकवाद के खिलाफ कमर कस ली है। यह सभी जानते थे कि आईएसआईएस जिस तरह का तंत्र चला रहा है, वह ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं है, और एक दिन वह ध्वस्त भी हो गया। उसके ध्वस्त होते ही यह मान लिया गया कि समस्या खत्म हो चुकी है। हालांकि, वह सोच और वह मानसिकता, जिसने आईएसआईएस को पैदा किया था और दुनिया भर के चरमपंथी सोच वाले लोगों को एक जगह जमा किया था, उसे खत्म करने के लिए कहीं कुछ नहीं किया गया। यही तरीका हमें अफगानिस्तान में भी दिखाई देता है। कभी अफगान तालिबान के खिलाफ दुनिया भर में कोड़े फटकारने वाला अमेरिका अब उनके साथ ही समझौते की कोशिशों में लगा हुआ है। चरमपंथी विचारधारा से लड़ना तो दूर, इस लड़ाई में जिन्होंने साथ दिया था, उनके हितों की भी अनदेखी की जा रही है। इसलिए आज फ्रांस में जिस तरह से आतंकवादी घटनाएं दिख रही हैं, उस पर क्षोभ तो व्यक्त किया जा सकता, लेकिन आश्चर्य नहीं। कुछ एक चरमपंथी और आतंकवादी नेताओं व कार्यकर्ताओं को जरूर निशाना बनाया गया, लेकिन कट्टरपंथी मानसिकता को जिस तरह से नजरंदाज किया गया, उसके चलते ऐसे खतरे बने हुए थे। फ्रांस को लेकर पूरी दुनिया में पिछले दो सप्ताह से जो हो रहा है, उसमें कई देशों की सरकारें भी परोक्ष रूप से कट्टरता के साथ खड़ी दिखाई दी हैं, जो यह भी बताता है कि कट्टरपंथ का दबाव दुनिया में हर जगह बढ़ रहा है। फ्रांस में कट्टरपंथ को रोकने की बातें तो बहुत हुईं, लेकिन प्रतीकात्मक पाबंदियों को लगाने के अलावा बहुत कुछ नहीं हुआ। उल्टे स्कॉर्फ पहनने पर रोक जैसे कदमों से बहुत–सी महिलाओं के लिए मुख्यधारा में शामिल होने के अवसर खत्म कर दिए गए। किसी भी तरह की कट्टरता के खिलाफ लड़ाई जटिल होती है, जो लंबे धैर्य की मांग करती है। लेकिन न कहीं यह लड़ाई दिखती है और न ही उसे खत्म करने का धैर्य। हां, एक खतरनाक अधीरता जरूर दिखाई देती है, जो हालात को बिगाड़ने का काम करती है। कट्टरता तो कम नहीं हो रही, लेकिन यह अधीरता आग में घी जरूर डाल रही है। फ्रांस के राष्ट्रपति एमेनुएल मैक्रॉ ने कहा है कि उनका देश आतंक के आगे झुकेगा नहीं। उसे झुकना भी नहीं चाहिए। भारत समेत दुनिया के तमाम देशों ने इस लड़ाई में फ्रांस का समर्थन किया है और यह संदेश दिया है कि वे उसके साथ खड़े हैं। भारत किसी भी देश में आतंकवाद के खिलाफ हमेशा से ही खड़ा रहा है, क्योंकि वह भी आतंकवाद का दंश झेलता आया है। इसलिए यहां यह सवाल भी पूछा जाना चाहिए कि जब कभी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत में सक्रिय आतंकी गुटों पर पाबंदी का सवाल आता है, तो पश्चिम के देश किस हद तक हमारे साथ खड़े होते हैं? अगर इस रवैये को खत्म किया जा सके, तो दुनिया आतंक के खिलाफ लड़ाई ज्यादा अच्छी तरह से लड़ सकेगी।

आज के ट्वीट

माफी

पुलवामा की घटना के बाद बालाकोट में सर्जिकल स्ट्राइक हुई। कांग्रेस सुबूत माँग रही थी। अब पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में हुई बहस से स्थिति स्पष्ट हो गई। वहाँ के मंत्री कह रहे थे पुलवामा में हुई घटना में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का हाथ है। अब तो कांग्रेस को माफ़ी माँगनी चाहिए। -- राजनाथ सिंह

कोविड के बाद नये कौशल की अहमियत

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन कोविड–19 के कारण जैसे–जैसे दुनिया में डिजिटलीकरण बढ़ता जा रहा है, वैसे–वैसे दुनिया का रोजगार परिदृश्य भी बदलता जा रहा है। अब रोजगार और करिअर डिग्रियों से नहीं, काम के लिए जरूरी कौशल यानी स्किल्स के आधार पर मिलेगा। ऐसे में देश की नयी पीढ़ी के लिए अधिक से अधिक करियर के मौके जुटाने के लिए सरकार को डिजिटलीकरण के रास्ते में दिखाई दे रही कमियों को दूर करना होगा, वहीं दूसरी ओर नयी पीढ़ी द्वारा करियर में आगे बढ़ने और रोजगार में आने के बाद भी काम करते हुए लगातार बदलती हुई रोजगार की दुनिया के अनुरूप नये स्किल्स सीखने होंगे। दुनिया के कई शोध संगठनों द्वारा यह कहा जा रहा है कि डिजिटलीकरण से भारत में रोजगार के नये मौके तेजी से बढ़ते जा रहे हैं और भारत की नयी पीढ़ी नये–नये स्किल्स को सीखने की डगर पर लगातार आगे बढ़ रही है। इसमें कोई दो मत नहीं कि दुनियाभर में ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के चलते जहां कई क्षेत्रों में रोज़गार कम हो रहे हैं वहीं डिजिटल अर्थव्यवस्था में रोजगार बढ़ रहे हैं। निश्चित रूप से डिजिटल अर्थव्यवस्था के तहत भारतीय प्रतिभाओं के लिए मौके देश ही नहीं, दुनिया के कोने–कोने में भी होंगे। कुछ समय पहले विश्व बैंक सहित कुछ संगठनों ने अपनी वैश्विक रोजगार से संबंधित रिपोर्टों में कहा है कि आगामी 5–10 वर्षों में जहां दुनिया में कुशल श्रम बल का संकट होगा, वहीं भारत के पास नयी स्किल्स से सुसज्जित कुशल श्रम बल अतिरिक्त संख्या में होगा। ऐसे में भारत दुनिया के कई विकसित और कई विकासशील देशों में बड़ी सख्या में कुशल श्रम बल भेजकर फायदा उठा सकेगा। निःसंदेह डिजिटल अर्थव्यवस्था के बीच देश की नयी पीढ़ी के लिए रोजगार की जो संभावनाएं आगे बढ़ी हैं, उन्हें मुट्ठी में करने के लिए वर्तमान अनुकूलताओं के साथ–साथ कई और बातों पर भी ध्यान देना होगा। हमें अच्छी ऑनलाइन एजुकेशन की डगर पर आगे बढ़ना होगा। यहां नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनीज (नैसकॉम) की अध्यक्ष देवयानी घोष द्वारा डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारतीय प्रतिभाओं के रोजगार मौकों पर हाल ही में दी गई टिप्पणी का उल्लेख करना उपयुक्त होगा। देवयानी ने कहा है कि इस समय प्रतिभा के संदर्भ में भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से लाभ की स्थिति में हैं। लेकिन कोरोना महामारी के बाद की दुनिया में मौजूदा आईटी प्रतिभाओं को उभरती तकनीकों के कौशल से फिर से लैस करने और दुनिया में खुद को खड़ा करने के लिए नवाचार पर जोर देना होगा। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अभी सीमित संख्या में ही भारत की कौशल प्रशिक्षित प्रतिभाएं डिजिटल अर्थव्यवस्था की रोजगार जरूरतों को पूरा कर पा रही हैं। अब दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले भारत को बड़ी संख्या में युवाओं को डिजिटल दौर की और नयी तकनीकी रोजगार योग्यताओं से सुसज्जित करना होगा। डिजिटल दुनिया में करियर बनाने के लिए डिजिटल अर्थव्यवस्था की विशेषज्ञता के साथ अच्छी अंग्रेजी, कम्प्यूटर दक्षता, कम्युनिकेशन स्किल्स लाभप्रद है। निःसंदेह स्टूडेंट्स को डिजिटल दुनिया के करियर की नयी सच्चाइयों को समझते हुए अपनी पढ़ाई की रणनीति बनानी होगी। इसके साथ–साथ पेरेन्टस और स्कूल–कॉलेजों के द्वारा भी नयी पीढ़ी में लगातार नये स्किल्स को सीखने के प्रति ललक पैदा की जानी होगी। स्थिति यह है कि भविष्य में एक ओर कई रोजगार ऐसे भी होंगे, जिनके नाम हमने अब तक सुने भी नहीं हैं। वहीं दूसरी ओर रोजगार के लिए सीखे गए स्किल्स पुराने होने लगेंगे और अच्छा करियर बनाए रखने के लिए लगातार नये स्किल्स सीखते रहना जरूरी होगा। यद्यपि देश में सरकार ने डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नीतिगत स्तर पर कई सराहनीय कदम उठाए हैं और इससे डिजिटलीकरण को बढ़ावा मिला भी है लेकिन कोविड–19 के बाद अभी इस दिशा में बहुआयामी प्रयासों की जरूरत बनी हुई है। हमें डिजिटलीकरण के लिये आवश्यक बुनियादी जरूरतों संबंधी कमियों को दूर करना होगा। चूंकि देश की ग्रामीण आबादी का एक बड़ा भाग अभी भी डिजिटल रूप से अशिक्षित है। अतएव डिजिटल भाषा से ग्रामीणों को सरलतापूर्वक शिक्षित–प्रशिक्षित करना होगा। चूंकि बिजली डिजिटल अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण जरूरत है, अतएव ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की पर्याप्त पहुंच बनानी जरूरी है। इसके साथ–साथ डिजिटलीकरण को आगे बढ़ाने के लिए मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड के मामले में देश को आगे बढ़ाया जाना होगा। मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड टेस्ट करने वाली वैश्विक कंपनी ओकला के मुताबिक अप्रैल 2020 में मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड के मामले में 139 देशों की सूची में भारत 132वें पायदान पर है। ओकला के मुताबिक अप्रैल 2020 में भारत की औसत मोबाइल ब्रॉडबैंड डाउनलोड स्पीड 9.81 एमबीपीएस (मेगा बिट्स पर सेकंड–इंटरनेट डाटा के लिए इस्तेमाल की जाने वाली टर्म) रही, वहीं इसकी औसत अपलोड स्पीड 3.98 एमबीपीएस रही। मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड के मामले में दक्षिण कोरिया, कतर, चीन, यूएई, नीदरलैंड, नार्वे बहुत आगे हैं। इतना ही नहीं, स्पीड के मामले में भारत को पाकिस्तान और नेपाल जैसे देशों ने भी पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में भारत को डिजिटल अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौकों का फायदा लेने के लिए मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड को बढ़ाने के अधिकतम प्रयास करने होंगे।

हम उम्मीद करें कि हाल ही में एक ओर देश में डिजिटलीकरण को बढ़ाने तथा दूसरी ओर नयी शिक्षा नीति में जिस तरह डिजिटल दुनिया के नये दौर के कौशल विकास पर काफी जोर दिया गया है, उसके प्रभावी क्रियान्वयन से देश में डिजिटल अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके बढ़ेंगे। उम्मीद है कि देश की नयी पीढ़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था के पीछे छिपे हुए अवसरों को तलाशेगी और देश एवं दुनिया की नयी जरूरतों के मुताबिक अपने को सुसज्जित करेगी। हम उम्मीद करें कि नयी पीढ़ी स्कूल और कॉलेजों में करियर और रोजगार के लिए उपयुक्त स्किल्स को सीखने के साथ–साथ भविष्य में नये स्किल्स को सीखने के लिए भी हमेशा तैयार रहेगी।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

ज्ञान गंगा

चक्र

जग्गी वासुदेव/ मुक्त का अर्थ है चक्र को तोड़ना। आप इस चक्र को क्यों तोड़ना चाहेंगे? लोग समझते हैं कि अगर आप दुखी होंगे तभी आप इस चक्र को तोड़ना चाहेंगे परंतु ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। जो व्यक्तिदुखी है, वास्तव में वो बेहतर होकर, ज्यादा धन–संपत्ति के साथ, अधिक ऊंचा होकर, सुंदर हो कर, अच्छा स्वास्थ्य ले कर, सभी कुछ पहले ज्यादा ले कर वापस आना चाहेगा, वो मुक्त नहीं होना चाहता। सिर्फ वही व्यक्ति जीवन से परे जाना चाहेगा जिसने जीवन के सभी रूपों को देख लिया है। मुक्ति का अर्थ यह है कि हमने जो भी कर्म संबंधी जानकारी एकत्रित कर रखी है, हम उससे छुटकारा पाना चाहते हैं क्योंकि इसने जीवन को अपने अंदर कैद कर लिया है और अपने चारों ओर एक शरीर बना लिया है। यदि आप इस कर्म संबंधी जानकारी को तोड़ दें तो आपके भीतर के जीवन में आप या मैं जैसी कोई चीज नहीं रहेगी–यह बस जीवन होगा। यह एक जीवित ब्रह्मांड है। उदाहरण के लिए, जब आप साबुन के घोल का बुलबुला उड़ाते हैं, तो यह बुलबुला तो वास्तविक है पर अगर वो टूट जाए तो पानी की सिर्फ एक बूंद नीचे गिरेगी। बाकी का बुलबुला गायब हो जाएगा। उसके अंदर जो हवा थी वो चारों ओर की हवा के साथ मिलकर एक हो जाएगी। जीवन सिर्फ आप में ही नहीं है, यह बाहर भी है। इसलिए आप सांस ले रहे हैं और छोड़ रहे हैं। आप उसके बिना जीवित नहीं रह सकते। आप इसे ऑक्सीजन कहें या कुछ और, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मूल रूप से आप जिसे जीवन कहते हैं, वह सर्व–व्यापक है। यह उस तरह से व्यवहार करता है जैसी जानकारी के साथ फंसा होता है। यही कर्म है। कर्म एक सॉफ्टवेयर की तरह है। यह वही जीवन ऊर्जा है, बस एक अलग सॉफ्टवेयर के साथ। इसलिए यह बिल्कुल अलग ढंग से व्यवहार करती है। आप अगर कर्म के सॉफ्टवेयर को पूरी तरह से तोड़ दें तो फिर जीवन कहां जाएगा? कहीं नहीं, यह सब तरफ है, सिर्फ व्यक्तिगत पहचान खो जाएगी। वास्तव में आपके अंदर के जीवन की कोई व्यक्तिगत पहचान नहीं है, सिर्फ आपका सॉफ्टवेयर ही व्यक्तिगत होता है। अगर आप इस सॉफ्टवेयर को बिना जागरूकता के तैयार करेंगे, तो यह हर तरह के आकार ले लेगा–कुछ आप को पसंद आएंगे, कुछ नहीं। यदि आप अपने कर्म संबंधी सॉफ्टवेयर को जागरूकता के साथ तैयार करेंगे, तो आप वही रचेंगे जो चाहते हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान–पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उसके द्वंद्व

विष्णुगुप्त

पूरी दुनिया में एक बायकाट के दुष्परिणामों को लेकर शांति, सद भाव और सहचरता में विश्वास रखने वाले लोग चिंतित हैं। उसके दुष्परिणामों का साक्षात दर्शन भी कर रहे हैं। यह बायकाट उस फ्रांस के खिलाफ है, जिसने अपनी संप्रभुता और बहुलतावाद की संस्कृति के रक्षण के लिए कुछ अहर्ताएं तय करने की कोशिश की है। जिसने अपनी संप्रभुता को हिंसक ढंग से प्रभावित करने वालों के खिलाफ आवाज उठायी है। सिर्फ आवाज देने मात्र से ही एक बड़ी आबादी बायकाट की हिसंक और खतरनाक प्रवृत्ति पर सवार हो गयी। फ्रांस की उत्पादित वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने और बहिष्कार करने की गोलबंदी सुनिश्चित हो रही है। खतरनाक बात यह है कि बायकाट कोई लोकतांत्रिक ढंग से नहीं हो रहा है बल्कि धार्मिक आधार पर हो रहा है। कुवैत, जार्डन, कतर और तुर्की में फ्रांस की उत्पादित वस्तुओं को मॉल और दुकानों से हटा दिया गया। जबकि तुर्की, ईरान और पाक ने सीधे तौर पर फ्रांस की संप्रभुता को चुनौती दी है। विरोध का तौर–तरीका दुनिया की शांति व सद भाव के लिए एक खतरनाक चुनौती भी बन रहा है। धीरे–धीरे यह बायकाट का हथकंडा घृणा में भी तबदील हो रहा है। खासकर इस्लाम और गैर–इस्लामिक समुदाय के बीच एक विभाजन रेखा बन रही है। खासकर यूरोपीय देशों में और अमेरिका में विभाजन की तलवारें खिंची हुई हैं, आपस में अविश्वास, घृणा और वर्चस्व की प्रवृत्तियां टकरा रही हैं। बायकाट की जड़ में कार्टून विवाद ही है। इसके कारण फ्रांस की संप्रभुता हिंसक तौर पर लहूलुहान है और फ्रांस के बहुलतावाद पर संकट के बादल छाये हुए हैं। फ्रांस की मशहूर पत्रिक शार्ली एब्दो ने कई साल पहले एक कार्टून प्रकाशित किया था। शार्ली एब्दो ने तब कहा था कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए ऐसे कार्टून का प्रकाशन कर वह अतिवादी मानसिकता का दमन करना चाहती है। जिसके बाद शार्ली एब्दो पत्रिका के कार्यालय पर आतंकवादी हमला हुआ। पूरे एक दर्जन लोग मारे गये। शार्ली एब्दो पत्रिका के संपादक सहित पूरी संपादकीय टीम को मौत के घाट उतार दिया गया। पत्रिका के कार्यालय को राख कर दिया गया। हमले की जिम्मेदारी आईएस ने ली थी। उसके बाद सोशल मीडिया पर खुशी मनाने का जिहादी अभियान दिखा।

शार्ली एब्दो प्रकरण ने फ्रांस की सिविल सोसायटी को झकझोर कर रख दिया था। सिविल सोसायटी ने देखा कि वे जिस बहुलतावाद की संस्कृति के सहचर हैं और जिसके लिए वर्षों से समर्पण सुनिश्चित किये हैं, वह तो खतरे में है, बहुलतावाद की जगह खतरनाक और हिंसक एकांगी संस्कृति ले रही है, इसमें अन्य विचारों के लिए कोई जगह नहीं है, संस्कृतिगत विरोधी विचारों के समाधान का रास्ता तो इसी तरह की हिंसा और आतंकवाद है। धीरे–धीरे यह सोच राष्ट्रीय सोच बन गयी। इस सोच के समर्थन में मूल संस्कृति आ गयी। जब मूल संस्कृति जगती है, जब मूल संस्कृति का पुनर्जागरण शुरू होता है तो आयातित संस्कृति के साथ उसका टकराव बढ़ता है। फ्रांस में ऐसा ही हुआ है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कभी एकांगी नहीं हो सकती। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सपूर्णता में सुनिश्चित होती है। मूल संस्कृति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आतंकवादी हमले का समर्थन कैसे हो सकता है? इसी प्रश्न को लेकर फ्रांस में चिंता पसरी, फ्रांस के लोग अभियानी बन गये। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के लिए फ्रांस के मूल संस्कृति के सहचर लोग शार्ली एब्दो पत्रिका के समर्थन में आ गये। बहसें शुरू हो गयी। फ्रांस के एक शिक्षक ने अपनी कक्षा में कार्टून की व्याख्या कर दी। शिक्षक के खिलाफ फतवे शुरू हो गये। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि शिक्षक की हत्या कर दी गयी। शिक्षक की बर्बर हत्या से पूरा फ्रांस दहल गया। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सीधे तौर पर कहा कि सोच का यह चेहरा घिनौना है, हिंसक है और अमानवीय है, फ्रांस की बहुलतावाद की संस्कृति की जगह हिंसक संस्कृति को खुली छूट नहीं मिलेगी, उसकी हिंसक प्रवृत्तियां हर हाल में रोकी जायेंगी, विरोधियों को अपना व्यवहार अहिंसक बनाना होगा और मजहबी एजेंडे को छोड़ना ही होगा। इमैनुएल मैक्रों एक शासक हैं, शासक के तौर पर उन्हें अपने राष्ट्र की संप्रभुता की चिंता स्वाभाविक है, उन पर हिंसक प्रवृत्तियों को कुचलने का दायित्व भी है। पिछले दस सालों में फ्रांस ने कोई एक नहीं बल्कि दर्जनों भीषण आतंकवादी हमले झेले हैं और सैकड़ों निर्दोष जिंदगियां खत्म हुई हैं। बायकाट के जुनून से फ्रांस में हिंसक प्रवृत्तियों के खिलाफ अभियान रुक जायेगा, ऐसा संभव नहीं है। लेकिन इस बायकाट की गोलबंदी से मजहबी जुनून को ही खाद–पानी मिलेगा।

आप इस समाचार के बारे में क्या विचार रखते हैं?

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिलेक्सो फुटवियर का शुद्ध लाभ साढ़े छह प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली. रिलेक्सो फुटवियर लिमिटेड का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2020-21 की 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में 6.46 प्रतिशत बढ़कर 75.10 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष 2019-20 की जुलाई-सितंबर अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 70.54 करोड़ रुपये था। कंपनी ने शेयर बाजार को सूचना दी कि समीक्षावधि में उसकी परिचालन आय 7.38 प्रतिशत गिरकर 575.87 करोड़ रुपये रही। पिछले साल इसी तिमाही में यह आय 621.77 करोड़ रुपये थी। इस दौरान कंपनी का कुल व्यय 12.48 प्रतिशत घटकर 480.56 करोड़ रुपये पर आ गया। पिछले साल इस दौरान यह549.12 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि उसका परिचालन लगभग कोविड-19 से पूर्व की परिस्थिति तक पहुंच चुका है। उसकी नकदी हालत भी काफी ठीक है।

लॉकडाउन में बढ़ा ऑनलाइन कारोबार, 42% इंटरनेट यूजर्स कर रहे online shopping

बिजनेस डेस्क: कोरोना और लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन व्यापार में बड़ी वृद्धि हुई है। कोरोना से पहले भारत में ऑनलाइन कारोबार करीब 7 फीसदी था लेकिन अब मौजूदा वक्त में यह कारोबार 7 से 24 फीसदी हो गया है। अगर इस कारोबार को देखते हुए शहरी इलाकों पर गौर करें तो शहर के 42 फीसदी इंटरनेट यूजर्स ऑनलाइन माध्यम से अपनी खरीदारी कर रहे हैं। देश के कारोबारियों की सबसे बड़ी संस्था कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स का यह कहना है। संस्था से जुड़े पदाधिकारियों का यह भी कहना है कि भारत में व्यापारियों की दुकानें भारतीय अर्थव्यवस्था में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेंगी, जिन्हे कोई मिटा नहीं नहीं सकता है लेकिन यह कारोबार का नया तरीका है जिसको देश के व्यापारियों द्वारा एक अतिरिक्त व्यापार के रूप में अपनाया जाना भी जरूरी हो गया है।

6 साल में 200 बिलियन का हो सकता है ऑनलाइन कारोबार

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल का कहना है कि भारत में स्मार्टफोन और इंटरनेट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। केंद्र सरकार द्वारा भी बड़ी संख्या में पंचायतों को डिजिटल तकनीक से साथ जोड़ा गया है। इसी के चलते देश के ई-कॉमर्स बाजार की वर्ष 2026 तक 200 बिलियन डॉलर के होने की उम्मीद है। ध्यान रहे कि मौजूद वक्त में यह कारोबार करीब 45 बिलियन डॉलर का है।

ऑनलाइन कारोबार को बढ़ाएगी इंटरनेट की 5G तकनीक

राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल का कहना है कि देश में 5G तकनीक के जल्द शुरू होने के बाद ई कामर्स व्यापार और तेजी से आगे बढ़ेगा। बड़ी संख्या में लोग डिजिटल कॉमर्स को अपनाएंगे। टेक्नॉलॉजी ने डिजिटल पेमेंट, हाइपर-लोकल लॉजिस्टिक्स, एनालिटिक्स से संचालित कस्टमर एंगेजमेंट और डिजिटल विज्ञापनों जैसे नए विचारों को जन्म दिया है। इसके चलते भी भारत में ई-कॉमर्स व्यापार बढ़ेगा। इसी को ध्यान में रखते हुए और देश के व्यापारियों को आगे बढ़ाने के इरादे से कैट ने पूरी तरह से भारतीय भारतईमार्केट पोर्टल को शुरू करने जा रहा है।

चीनी निर्यात सब्सिडी को आगे बढ़ाने पर फिलहाल विचार नहीं: गोयल

नई दिल्ली: सरकार चीनी निर्यात पर दी जा रही सब्सिडी का विस्तार नए चीनी वर्ष 2020-21 में किए जाने पर फिलहाल विचार नहीं कर रही है। रेल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को यह कहा। गोयल फिलहाल खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग का भी कामकाज देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिलहाल चीनी के दाम स्थिर बने हुये हैं इसलिये निर्यात सब्सिडी को आगे बढ़ाने पर फिलहाल कोई विचार नहीं किया जा रहा है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है। देश में चीनी के अतिरिक्त भंडार को कम करने के लिए सरकार ने चीनी निर्यात को बढ़ाने के वास्ते उस पर सब्सिडी की पेशकश की। चीनी का अधिशेष स्टॉक जमा होने से चीनी मिलों को भी नकदी संकट का सामना करना पड़ रहा था और वह किसानों को गन्ने का भुगतान समय पर नहीं कर पा रही थी। चीनी का सत्र अक्टूबर से सितंबर माह तक चलता है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक चीनी मिलों ने चीनी वर्ष 2019- 20 के लिए तय किए गए 60 लाख टन चीनी निर्यात के अनिवार्य कोटा के समक्ष अब तक 57 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। गोयल ने आभासी संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''चीनी (निर्यात) सब्सिडी पर वर्तमान में विचार नहीं किया जा रहा है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम स्थिर बने हुए हैं। यदि इसकी कोई आवश्यकता हुई तो सरकार उचित समय पर इस पर गौर करेगी।' गोयल से पूछा गया था कि क्या सरकार चीनी निर्यात सब्सिडी को तीसरे साल में भी जारी रखने पर विचार कर रही है। मंत्री ने यह भी कहा कि घरेलू बाजार में चीनी के दाम वर्तमान में 40 रुपए प्रति किलो के आसपास स्थिर बने हुए हैं। यह स्तर चीनी मिलों की उत्पादन लागत के अनुरूप ठीक है। ''इससे चीनी मिलों को गन्ने के बकाए का भुगतान करने में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।' खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने इस अवसर पर कहा कि देश से 2019- 20 में अब तक की सर्वाधिक 57 लाख टन चीनी का निर्यात किया गया है।

जेएसडब्ल्यू होल्डिंग्स का सितंबर तिमाही में मुनाफा घटकर 39 करोड़ रुपये हुआ

नयी दिल्ली, जेएसडब्ल्यू समूह की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी जेएसडब्ल्यू होल्डिंग्स ने शनिवार को कहा कि 30 सितंबर 2020 को समाप्त तिमाही के दौरान उसका मुनाफा 48.1 प्रतिशत घटकर 39.48 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि एक साल पहले की समान अवधि में उसका शुद्ध लाभ 76.20 करोड़ रुपये था। जेएसडब्ल्यू होल्डिंग्स ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान उसकी कुल आय एक साल पहले की समान अवधि के 85.48 करोड़ रुपये के मुकाबले घटकर 50.32 करोड़ रुपये रह गई।

आईसीआईसीआई बैंक का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में छह गुना बढ़ा

नयी दिल्ली, आईसीआईसीआई बैंक का शुद्ध लाभ 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में एकल आधार पर 4,251 करोड़ रुपये के साथ छह गुना से अधिक बढ़ा। । बैंक ने वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में 655 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। निजी क्षेत्र के इस बैंक ने शेयर बाजार को शनिवार को सूचना दी कि समीक्षावधि में उसकी एकल आधार पर परिचालन आय 23,650.77 करोड़ रुपये रही। पिछले साल इसी तिमाही में यह 22,759.52 करोड़ रुपये थी। इसी तरह बैंक की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) की स्थिति में भी सुधार दर्ज किया। बैंक का सकल एनपीए इस दौरान सकल ऋण का 5.17 प्रतिशत यानी 38,989.19 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 5.37 प्रतिशत यानी 45,638.79 करोड़ रुपये था। बैंक का शुद्ध एनपीए समीक्षावधि में उसके शुद्ध ऋण का एक प्रतिशत यानी 7,187.51 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी अवधि में यह 1.60 प्रतिशत यानी 10,916.40 करोड़ रुपये था। एकीकृत आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ समीक्षावधि में चार गुना बढ़कर 4,882 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 1,131 करोड़ रुपये था। इस दौरान बैंक की एकीकृत आय 39,321.42 करोड़ रुपये रही जो पिछले साल इसी अवधि में 37,424.78 करोड़ रुपये थी।

300 तक कर्मचारियों वाली कंपनी बिना मंजूरी के कर सकेंगी छंटनी, 15 दिन का नोटिस होगा काफी

बिजनेस डेस्क:

संसद में पिछले महीने तीन लेबर कोड्स का रास्ता साफ होने के बाद रोजगार मंत्रालय ने इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड के लिए ड्राफ्ट रूल्स का पहला सेट जारी कर दिया है। जिसमें 300 से ज्यादा कर्मचारियों वाली कंपनी सरकार से मंजूरी लिए बिना कर्मियों की जब चाहे छंटनी कर सकेगी। यही नहीं, 15 दिन का नोटिस भी काफी माना जाएगा। मसौदे में संशोधन के तहत कर्मचारियों के लिए हड़ताल करने से जुड़ी परिस्थितियों में बदलाव कर दिया गया है।

ड्राफ्ट रूल्स में हैं ये प्रस्ताव

इन ड्राफ्ट रूल्स में अधिकतर संपर्क/कम्युनिकेशन के लिए इलेक्ट्रॉनिक मेथड्स का प्रस्ताव है, जिसमें सभी औद्योगिक इकाइयों के लिए ई रजिस्टर मेंटेन करना अनिवार्य है। साथ ही छंटनी के संबंध में कंपनियों को 15 पहले नोटिस, हटाए जाने पर 60 दिन पहले नोटिस और कंपनी बंद करने पर 90 दिन पहले नोटिस देना होगा। हालांकि, नियमों में मॉडल स्टैंडिंग ऑर्डर को छोड़ दिया गया है और ट्रेड यूनियनों के लिए रूल्स का निर्माण राज्य सरकारों पर छोड़ दिया है।

XLRI में प्रोफेसर और लेबर इकनॉमिस्ट के आर श्याम सुंदर ने बताया, मॉडल स्टैंडिंग ऑर्डर सबसे अहम है इसके लिए सरकार अधिसूचना का इस्तेमाल कर सकती है. सुंदर के मुताबिक, ज्यादातर चीजें इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया पर छोड़ दी गई हैं, जिसका मतलब है कि कंपनियां या नियोक्ता, छोटे या बड़े या फिर ट्रेड यूनियन या श्रम विभाग/ट्रिब्यूनल इन सभी के पास इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन सिस्टम होना जरूरी है।

अभी तक थे ये नियम

100 से कम कर्मचारी वाले औद्योगिक प्रतिष्ठान या संस्थान ही पूर्व सरकारी मंजूरी के बिना कर्मचारियों को रख और हटा सकते थे। इस साल की शुरुआत में संसदीय समिति ने 300 से कम स्टाफ वाली कंपनियों को सरकार की अनुमति के बिना कर्मचारियों की संख्या में कटौती करने या कंपनी बंद करने का अधिकार देने की बात कही थी। कमेटी का कहना था कि राजस्थान में पहले ही इस तरह का प्रावधान है। इससे वहां रोजगार बढ़ा और छटनी के मामले कम हुए। इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड 2020 में धारा 77(1) जोड़ने का प्रस्ताव- छटनी के प्रावधान के लिए सरकार ने इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड 2020 में धारा 77(1) जोड़ने का प्रस्ताव रखा है। इस सेक्शन के मुताबिक छंटनी और प्रतिष्ठान बंद करने की अनुमति उन्हीं प्रतिष्ठानों को दी जाएगी, जिनके कर्मचारियों की संख्या पिछले 12 महीने में हर रोज औसतन 300 से कम हो। सरकार अधिसूचना जारी कर इस न्यूनतम संख्या को बढ़ा सकती है।

कोरोना की मार- 11000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी करेगी यह कंपनी

बिजनेस डेस्क: कोविड-19 महामारी ने पूरी दुनिया में कारोबार को बुरी तरह प्रभावित किया है। इस महामारी से सबसे अधिक प्रभावित देश अमेरिका में लाखों लोगों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। आने वाले दिनों में भी तस्वीर बहुत अच्छी नहीं है। **Walt Disney World** ने 11000 से अधिक कर्मचारियों के छंटनी की घोषणा की है। इससे पहले भी कंपनी ने 6400 कर्मचारियों को निकालने की घोषणा की थी। इस तरह फ्लोरिडा स्थित इस रिजॉर्ट में कुल 18000 लोगों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ेगी। डिज्नी वर्ल्ड **(Disney World)** ने फ्लोरिडा प्रांत और स्थानीय नेताओं को भेजे एक पत्र में इस साल के अंत तर 11350 यूनियन वर्कर्स को निकालने की बात कही है।

कुल 28000 कर्मचारियों की छंटनी

इसी हफ्ते डिज्नी वर्ल्ड के 720 एक्टरों और सिंगरों को निकाल दिया था। इसकी वजह यह है कि कोरोना संक्रमण के कारण अधिकांश लाइव एंटरटेनमेंट शो बंद हो गए हैं। कंपनी ने पिछले महीने कैलिफोर्निया और फ्लोरिडा में अपने पार्क्स डिविजन से 28000 कर्मचारियों को निकालने की घोषणा की थी। अमेरिका में कोरोना संक्रमण की शुरुआत से ही कंपनी के पार्क बंद हो गए थे। फ्लोरिडा में शर्तों के साथ पार्क फिर से खोले गए हैं लेकिन कैलिफोर्निया में अब भी कंपनी के पार्क बंद हैं।

देश में खरीफ सीजन में रिकॉर्ड धान की खरीद हुई, सरकार ने प्याज के बीज के निर्यात पर लगाई रोक

बिजनेस डेस्क:

खाद्य मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (**Food Corporation of India**) ने खरीफ के सीजन में न्यूनतम समर्थन मूल्य (**MSP**) पर 742 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की है। जो पिछले सीजन के मुकाबले 18 फीसदी अधिक है। उन्होंने बताया के सरकार ने वित्त वर्ष 2019-20 में 627 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की थी। वहीं खाद्य मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार इस सीजन में पंजाब में अब तक 1.30 करोड़ टन धान की खरीद हो चुकी है जो पिछले सीजन के 95 लाख टन के मुकाबले 37 फीसदी ज्यादा है। उत्तर प्रदेश में पिछले साल के 76 हजार टन के मुकाबले चालू सीजन में 3.90 लाख टन धान खरीदा जा चुका है। तमिलनाडु में यह 34 हजार टन के मुकाबले 3.56 लाख टन पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि बिहार में विधानसभा चुनाव के वजह से अभी धान की खरीदी शुरू नहीं हुई है। आपको बता दें वैसे भी बिहार में 15 नवंबर के बाद ही धान की आवक आती है। इसके चलते खरीद केंद्रों पर धान की खरीदी के लिए सभी तैयारी कर ली गई हैं।

धान की खरीद समय से पहले शुरू की

खाद्य मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि बाजार में धान की जल्दी आवक को देखते हुए खरीद के मौसम को पहले शुरू करते हुए 26 सितम्बर 2020 कर दिया गया था। जिसके चलते देश में रिकॉर्ड धान की खरीद हो सकी है। वहीं उन्होंने पीएम मोदी की नीतियों की तारीफ करते हुए कहा कि पिछले 5 सालों में देश में लगातार खाद्यान्न की खरीदी में वृद्धि हुई है साथ ही देश की जनता को सुचारू रूप से राशन का वितरण हुआ है। खाद्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि आने वाले 15 दिनों में 2 लाख मीट्रिक टन मूंग, उड़द और तुअर दाल को बफर स्टॉक से विभिन्न राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में भेजा जाएगा। जिससे कि बजार में दालों की कमी न हो। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन के दौरान देश में 80 करोड़ लोगों को बिना किसी रुकावट के राशन का वितरण किया गया।

प्याज के बीज के निर्यात पर लगाई रोक

प्याज की बढ़ती कीमतों पर बोलते हुए, खाद्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने 14 सितंबर को प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। वहीं उन्होंने कहा कि सरकार ने प्याज आयात करना भी शुरू कर दिया है और देश में अब तक 7,000 टन प्याज आ चुका है साथ ही दिवाली से पहले 25,000 टन से अधिक पहुंचने की उम्मीद है। खाद्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने प्याज के बीज के निर्यात पर भी रोक लगा दी हैं। जिससे फसल बोने के लिए किसानों को बीज की कोई कमी न हो। गोयल ने कहा कि **Nafed** ने बफर स्टॉक से राज्य सरकारों और खुले बाजार में बिक्री के लिए 36,000 मीट्रिक टन प्याज दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार आलू की कीमतों को कम करने के लिए सरकार कदम उठा रही है।

पूर्व वित्त सचिव गर्ग का बड़ा खुलासा- निर्मला सीतारमण से संबंधों में आई खटास, इसलिए दे दिया इस्तीफा

नई दिल्ली:

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी और पूर्व केंद्रीय वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने शनिवार को कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ अच्छे संबंध नहीं थे, और इस कारण साल पहले उन्होंने समय से अपने पद से इस्तीफा देते हुए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी। गर्ग को जुलाई 2019 में वित्त मंत्रालय से बिजली मंत्रालय में स्थानातंरित किया गया था, जिसके बाद उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) के लिए आवेदन किया था और उन्हें 31 अक्टूबर 2019 को कार्यमुक्त कर दिया गया। गर्ग ने एक ब्लॉग में लिखा, ''श्रीमती सीतारमण ने वित्त मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के एक महीने के भीतर ही जून 2019 में वित्त मंत्रालय से मेरे स्थानांतरण पर जोर देना शुरू कर दिया।' उन्होंने लिखा है कि सामान्य स्थिति में उनका सेवाकाल आज (31 अक्टूबर 2020) को समाप्त होता।

उन्होंने आगे कहा, ''नई वित्त मंत्री के साथ मेरे अच्छे और परिणामदायक संबंध नहीं थे और मैं वित्त मंत्रालय के बाहर कहीं काम करना नहीं चाहता था।' सीतारमण 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद वित्त मंत्री बनीं। इससे पहले वित्त मंत्री रहे अरुण जेटली के साथ गर्ग के अच्छे संबंध थे, और गर्ग ने अपने ब्लॉग में उनकी तारीफ भी की है। हालांकि, नई वित्त मंत्री के साथ उनका वैसा तालमेल कायम नहीं रह सका।

गर्ग ने ब्लॉग में लिखा, ''यह बहुत पहले ही साफ हो गया कि उसके साथ काम करना काफी मुश्किल होने वाला था... वह मेरे प्रति पूर्वाग्रह से ग्रस्त थीं। वह मेरे साथ काम करने में सहज नहीं थीं।%% गर्ग ने आगे कहा कि आरबीआई के आर्थिक पूंजीगत ढांचे, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की समस्याओं के समाधान के लिए पैकेज, आंशिक क्रेडिट गारंटी योजना और गैर बैंकों के पूंजीकरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर उनके साथ गंभीर मतभेद भी सामने आने लगे।

उन्होंने आगे कहा, ''जल्द ही हमारे व्यक्तिगत संबंधों में खटास आ गई, और साथ ही आधिकारिक कामकाजी संबंध भी काफी अनुत्पादक हो गए।' गर्ग ने कहा कि ऐसे हालात में उन्होंने काफी पहले ही स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर सरकार के बाहर व्यापक आर्थिक सुधार के लिए काम करने का फैसला कर लिया था, हालांकि वह पांच जुलाई 2019 को पेश किए जाने वाले आम बजट की तैयारियों तक रुके रहे।

चीन के विनिर्माण में अक्टूबर में वृद्धि, लेकिन रफ्तार धीमी

बीजिंग:

चीन में विनिर्माण गतिविधियां अक्टूबर में लगातार आठवें महीने बढ़त लिए रहीं। हालांकि विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि दर सितंबर के मुकाबले थोड़ी धीमी रही। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने शनिवार को इस संबंध में आंकड़े जारी किए। कंपनियों के खरीद प्रबंधकों के बीच किया जाने वाल सर्वेक्षण 'पीएमआई सूचकांक% अक्टूबर में 51.4 अंक रहा। सितंबर में यह 51.5 अंक था। पीएमआई का 50 अंक से नीचे रहना गतिविधियों में संकुचन और 50 से अधिक रहना विस्तार की स्थिति को दिखाता है। चीन में सबसे पहले कोरोना वायरस संक्रमण सामने आया था। फरवरी में देश का पीएमआई विनिर्माण सूचकांक 35.7 अंक तक गिर गया था लेकिन उसके बाद से अर्थव्यवस्था में लगातार सुधार हो रहा है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन ने 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में 4.9 प्रतिशत की दर से वृद्धि दर्ज की है। यह लगातार दूसरी तिमाही में चीन की अर्थव्यवस्था ने वृद्धि दर्ज की है। विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार का सूचकांक नकारात्मक बना रहा। अक्टूबर में यह 49.3 अंक पर रहा जो सितंबर में 49.6 अंक था।

नैफेड ने 20 नवंबर तक 15,000 टन आयातित लाल प्याज की आपूर्ति के लिए मंगायीं बोलियां

नयी दिल्ली.

सहकारी इकाई नैफेड ने 20 नवंबर तक 15,000 टन लाल प्याज की आपूर्ति के लिए शनिवार को आयातकों से बोलियां आमंत्रित की। आयातक अपनी बोलियां चार नवंबर तक जमा करा सकते हैं। देश में प्याज की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने और घरेलू बाजार में इसकी उपलब्धता बढ़ाने के लिए नैफेड ने यह निविदा निकाली है। उल्लेखनीय है कि देश के प्रमुख प्याज उत्पादक राज्यों में बारिश के कहर ने बरपाया है। इससे देश के कुछ इलाकों में प्याज की खुदरा कीमतें 80-100 रुपये प्रति किलोग्राम तक जा चुकी हैं। नैफेड की निविदा के मुताबिक आयातक 20 नवंबरत तक किसी भी देश से 40 से 60 मिलीमीटर आकार की लाल प्याज की आपूर्ति कर सकते हैं। इस प्याज का दाम 50 रुपये प्रति किलोग्राम तक होना चाहिए। इसके लिए बोलियां चार नवंबर तक स्वीकार की जाएंगी। जबकि बोलियों को पांच नवंबर को खोला जाएगा। आयातकों को प्याज की आपूर्ति कांडला बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह पर करनी होगी। नैफेड के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक एस. के. सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हमने 15,000 टन आयातित लाल प्याज की आपूर्ति के लिए निविदा निकाली है। यह घरेलू बाजार में प्याज की आपूर्ति बढ़ाने में मदद करेगी।'' उन्होंने कहा कि बोलियों का मूल्यांकन उपलब्ध करायी जाने वाली मात्रा, गुणवत्ता और जल्द आपूर्ति की तिथि के आधार पर किया जाएगा। बोली लगाने वालों को ताजी, अच्छे से सूखी हुई और बीमारी रहित प्याज उपलब्ध करानी होगी। सिंह ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस निविदा का हिस्सा बनें इसके लिए न्यूनतम आपूर्ति सीमा 2000 टन के बजाय 1000 टन करने का निर्णय किया गया है। इतना ही नहीं आयातक 100-100 टन के लॉट में इसकी आपूर्ति कर सकते हैं। नैफेड सरकार के कहने पर प्याज का बफर स्टॉक रखता है। लेकिन अब वह धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। ऐसे में सरकार ने नैफेड से घरेलू बाजार में आपूर्ति बनाए रखने के लिए कहा है ताकि बाजार में हस्तक्षेप किया जा सके। उद्योग और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने 30 अक्टूबर को कहा था कि निजी निविदाओं के माध्यम से 7,000 टन प्याज का आयात किया जा चुका है। जबकि 25,000 टन और प्याज के दिवाली से पहले आने का अनुमान है।

विदेश से आने वाला है 15000 टन प्याज, केवल 50 रुपए में बिकेंगे

नई दिल्ली:

सरकार प्याज और आलू की कीमत पर लगाम के लिए लगातार प्रयास कर रही है। ह्वस्नश्वष्ठ ने नवंबर 2020 तक 15,000 टन लाल प्याज की आपूर्ति के लिए शनिवार को आयातकों से बोलियां मंगाई। इसका मकसद देश में प्याज की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाना और घरेलू बाजार में उपलब्धता बढ़ाना है। नैफेड ने नवंबर 2020 तक किसी भी देश से 40 से 60 मिलीमीटर आकार की लाल प्याज की आपूर्ति की बोली निकाली है। इस प्याज का दाम 50 रुपए प्रति किलोग्राम तक होना चाहिए। निविदा के मुताबिक आयातक न्यूनतम 2,000 टन की आपूर्ति के लिए बोलियां लगा सकते है। इन्हें 500 टन के कई लॉट में उपलब्ध कराया जा सकता है। आयातक अपनी बोलियां चार नवंबर तक जमा करा सकते हैं और उसी दिन निविदा के तहत मिली बोलियों को खोला जाएगा। आयातकों को प्याज की आपूर्ति कांडला बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह पर करनी होगी। नेफेड के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक एस. के. सिंह ने कहा, ''हमने 15,000 टन आयातित लाल प्याज की आपूर्ति के लिए निविदा निकाली है। यह घरेलू बाजार में प्याज की आपूर्ति बढ़ाने में मदद करेगी।%%

उन्होंने कहा कि बोलियों का मूल्यांकन उपलब्ध कराई जाने वाली मात्रा, गुणवत्ता और जल्द आपूर्ति की तिथि के आधार पर किया जाएगा। बोली लगाने वालों को ताजी, अच्छी से सूखी हुई और बीमारी रहित प्याज उपलब्ध करानी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रीमियर लीग : वोल्वस ने क्रिस्टल पैलेस को 2-0 से हराया

लंदन। पहले हाफ में किए गए दो गोलों की मदद से वोल्वस ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के मुकाबले में क्रिस्टल पैलेस को 2-0 से हरा दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को खेले गए इस मैच में वोल्वस की ओर से अपना पदार्पण कर रहे रियान अत नूरी ने 18वें मिनट में ही गोल करके अपनी टीम का खाता खोल दिया। फ्रांस के नूरी इसके साथ ही प्रीमियर लीग पदार्पण में गोल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उनके अलावा पुर्तगाल के खिलाड़ी डेनियल पोडेंसे ने 27वें मिनट में गोल करके टीम को 2-0 से आगे कर दिया। इस गोल में हालांकि नीटो का अभी असिस्ट रहा। इस जीत के बाद वोल्वस की टीम सात मैचों में 13 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। वहीं, हार के बाद क्रिस्टल पैलेस सात मैचों में 10 अंकों के साथ नौवें नंबर पर खिसक गई है।

आईपीएल-13

चेन्नई के खिलाफ पंजाब को नेट रन रेट पर देना होगा ध्यान

अबू धाबी। चेन्नई सुपर किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन की प्लेऑफ रेस से पहले ही बाहर हो गई है, लेकिन उसने अपने पिछले दो मैचों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और कोलकाता नाइट राइडर्स को मात दे उनका गणित बिगाड़ दिया है। शेख जाएद स्टेडियम में रविवार को चेन्नई के सामने किंग्स इलेवन पंजाब होगी। पंजाब को प्लेऑफ में जाने के लिए चेन्नई से सावधान रहना होगा। निश्चित तौर पर पंजाब के पास जीत ही एक विकल्प है, लेकिन उसे साथ ही कोशिश बेहतर नेट रन रेट के साथ जीतने की करनी होगी तभी उसकी प्लेऑफ की दावेदारी मजबूत होगी। इस समय पंजाब 13 मैचों में से छह जीत और सात हार के साथ 12 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। उसे शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स ने मात दी थी और अब वह चेन्नई के खिलाफ मैच जीतती भी है तो 14 अंक तक ही पहुंच पाएगी। ऐसे में नेट रन रेट काफी मायने रखेगा क्योंकि बाकी की टीमें भी 14 अंकों के साथ लीग चरण के अंत का रूख कर सकती हैं। राजस्थान के खिलाफ मिली हार के बाद यह लगभग तय है कि पंजाब बेहतर नेट रन रेट के बिना प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई शायद ही कर पाए। इसलिए पंजाब के लिए जरूरी है वह चेन्नई के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करे। ऐसा मुमकिन क्योंकि क्रिस गेल अपने तूफानी अंदाज में लौट आए हैं। राजस्थान के खिलाफ भी उन्होंने 99 रनों की पारी खेली थी। इससे पहले भी वह अपनी फॉर्म दिखा चुके हैं। कप्तान लोकेश राहुल तो शुरू से ही फॉर्म में हैं। मयंक अग्रवाल चेन्नई के खिलाफ खेलेंगे या नहीं यह कल ही साफ हो पाएगा। इन सभी के अलावा निकोलस पूरन टीम के एक और ऐसे बल्लेबाज हैं जो टी-20 की जरूरत के हिसाब से रन बना सकते हैं। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और क्रिस जोर्डन को अब और ज्यादा जिम्मेदारी से खेलना होगा। कोशिश करनी होगी कि वह चेन्नई के बल्लेबाजों को, खासकर ऊपरी क्रम को, जल्दी पवेलियन लौटाएं। रवि बिश्नोई और मुरुगन अश्विन की जोड़ी मध्य क्रम के साथ यह आसानी से करने का दम रखती है। पंजाब के लिए यह समय है जब उसके खिलाड़ी अतिरिक्त प्रयास कर बड़ी जीत सुनिश्चित करें। चेन्नई का भी यह लीग चरण का आखिरी मैच है। तीन बार की विजेता का लक्ष्य आत्मसम्मान बचा, जीत के साथ लीग का अंत करने का होगा। ऋतुराज गायकवाड़ ने पिछले दो मैचों में जिस तरह की बल्लेबाजी की है वह टीम को जीत दिलाने में सफल रही है। फाफ डु प्लेसिस पिछले मैच में नहीं खेले थे।

शेन वाटसन की वापसी हुई थी। वाटसन एक या दो मौकों पर ही रन बना पाए हैं। अंतिम मैच में धोनी किस प्लेइंग-11 के साथ उतरेंगे यह देखना दिलचस्प होगा। गेंदबाजी में दीपक चहर और शार्दूल ठाकुर का नाम तो पक्का है। सैम कुरैन का खेलना भी तय है। बाकी और कौन से खिलाड़ी आखिरी मैच में चेन्नई की जर्सी पहनते हैं यह मैच के दिन ही पता चलेगा।

आईपीएल-13 : फिर फ्लॉप हुए दिल्ली के बल्लेबाज

दुबई।

मुंबई इंडियंस ने शनिवार को यहां दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन के 51वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को नौ विकेट पर 110 रनों पर ही रोक दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने 15 रन के अंदर ही अपने दोनों ओपनरों का विकेट गवां दिया। इसके बाद हालांकि कप्तान श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत ने तीसरे विकेट के लिए 35 रनों की साझेदारी की, जोकि दिल्ली की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही। इस

साझेदारी के टूटते ही टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती चली गई और वह सम्मानजनक स्कोर भी नहीं बना पाई। अय्यर ने 29 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से सर्वाधिक 25 रन बनाए। उनके अलावा पंत ने 21, रविचंद्रन अश्विन ने 12, शिमरोन हेटमायर ने 11 और पृथ्वी शॉ ने 10 रन बनाए। बाकी बल्लेबाज दोहरे अंकों में भी नहीं पहुंच पाए। आईपीएल में अपना पदार्पण मैच खेल रहे प्रवीण दुबे 13 गेंदों पर सात रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई की ओर से जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बाउल्ट ने तीन-तीन तथा नाथन कुल्टर नाइल और राहुल चाहर ने एक-एक विकेट लिए।

विम्बलडन चैम्पियन हालेप कोविड-19 से संक्रमित

वाशिंगटन । विम्बलडन चैम्पियन सिमोना हालेप ने बताया कि वह कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव आयी है और उनमें इस बीमारी के 'हलके लक्षण' है। रोमानिया की इस 29 साल की खिलाड़ी ने ट्वीट कर बताया कि वह अपने घर में पृथकवास पर है और इसके हलके लक्षण से वह उबर रही है। उन्होंने कहा- मैं अच्छा महसूस कर रही हूं। हम साथ मिलकर इससे निपटेंगे। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज हालेप 2018 में फ्रेंच ओपन और 2019 में विम्बलडन चैम्पियन बनीं थी। कोविड-19 के कारण इस साल विम्बलडन का आयोजन नहीं हो सका। उन्होंने इस महामारी के डर से यूएस ओपन में भाग नहीं लिया था।

IPL 2020 : कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स में करो या मरो का मुकाबला

दुबई ।

कोलकाता नाईट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच रविवार को होने वाला आईपीएल मैच दोनों टीमों के लिए करो या मरो का मुकाबला होगा। राजस्थान 13 मैचों में छह जीत, सात हार और 12 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है जबकि कोलकाता 13 मैचों में 6 जीत, 7 हार और 12 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। दोनों टीमों के बीच यह मैच करो या मरो का मुकाबला है। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम की 14 अंकों के साथ उम्मीदें बनी रहेंगी जबकि हारने वाली टीम प्लेऑफ की होड़ से बाहर हो जाएगी। 14 अंकों पर पहुंचने के बाद भी टीम अपना प्लेऑफ सुनिश्चित नहीं समझ सकती है क्योंकि उसे दूसरी टीमों के परिणाम और नेट रन रेट को भी देखना होगा। इसलिए इस मुकाबले में कोलकाता और राजस्थान को जीत साथ-साथ अपने नेट रन रेट को सुधारने पर भी ध्यान लगाना होगा क्योंकि आखिरी समीकरण में नेट रन रेट निर्णायक रहेगा। राजस्थान ने कल अबु धाबी में किंग्स इलेवन पंजाब को सात विकेट से हराकर उम्मीदों को जगाने वाली जीत हासिल की थी। पंजाब ने क्रिस गेल की 99 रन की पारी की बदौलत चार विकेट पर 185 रन का मजबूत स्कोर बनाया था लेकिन राजस्थान ने 17.3 ओवर में तीन विकेट पर 186 रन बनाकर जीत अपने नाम की थी। राजस्थान के लिए बेन स्टोक्स ने 50, संजू सैमसन ने 48 ,कप्तान स्टीवन

स्मिथ ने नाबाद 31 और जोस बटलर ने नाबाद 22 रनों की मैच जिताने वाली पारियां खेली थीं। दूसरी तरफ कोलकाता को अपने पिछले मैच में दुबई में चेन्नई सुपरकिंग्स के हाथों छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिससे उसकी उम्मीदों को गहरा झटका लगा था। कोलकाता के पास जीतने का मौका था लेकिन आखिरी दो ओवरों में उसके हाथों से यह मौका निकल गया। कोलकाता को उस हार से उबरकर वापसी करने की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

स्टोक्स की वापसी से राजस्थान की बल्लेबाजी मजबूत

अबू धाबी। शुरुआती पांच मैचों में सलामी बल्लेबाज के तौर पर आने पर विफल रहने और आलोचना का शिकार हुए बेन स्टोक्स फॉर्म में लौट आए हैं। उनकी बीती दो पारियों से राजस्थान रॉयल्स को जीत के रास्ते पर वापसी करने में मदद मिली है। स्टोक्स ने शुक्रवार को किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ खेले गए मैच में 26 गेंदों पर 50 रनों की पारी खेली। इससे पहले वाले मैच में उन्होंने मुंबई इंडियंस के मजबूत आक्रमण के खिलाफ 60 गेंदों पर 107 रन बनाए थे। इन दोनों पारियों ने राजस्थान को जीत के रास्ते पर वापसी कराई। मुंबई के खिलाफ खेली गई पारी से पहले स्टोक्स ने पांच पारियों में सिर्फ 110 रन बनाए थे। वह एक छक्का तक नहीं मार पाए थे। इसके बाद उनकी आलोचना भी हो रही थी, लेकिन बीते दो मैचों में इस बल्लेबाज ने जिस तरह की पारी खेली है वो शानदार है। राजस्थान टीम के हरफनमौला खिलाड़ी राहुल तेवतिया ने कहा कि स्टोक्स के फॉर्म में लौटने और शीर्ष क्रम के चलने से टीम को मदद मिली है। तेवतिया ने शुक्रवार को खेले गए मैच के बाद कहा, हमारे दो-तीन बल्लेबाज जल्दी आउट हो रहे थे। अब वह रन कर रहे हैं। इससे पहले हमारा शीर्ष क्रम चल नहीं रहा था, लेकिन अब यह रन कर रहा है। हमारा मध्य क्रम भी काफी मजबूत है। वह जिम्मेदारी ले रहा है और सकारात्मक क्रिकेट खेल रहा है। इसी कारण परिणाम आ रहे हैं।

तीसरे कार्यकाल के लिए एएफआई अध्यक्ष चुने गए सुमारिवाला, अंजू वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनीं

गुरुग्राम । निवर्तमान अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला को शनिवार को यहां भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की वार्षिक आम बैठक में सर्वसम्मति से तीसरे कार्यकाल के लिए अध्यक्ष चुना गया जबकि लंबी कूद की पूर्व स्टार खिलाड़ी अंजू बॉबी जॉर्ज को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया। एएफआई में लंबे समय से विभिन्न पदों पर काबिज रहे रविंद्र चौधरी को सर्वसम्मति से सचिव चुना गया। इसके अलावा अन्य पदों के लिए भी कोई मुकाबला नहीं हुआ क्योंकि सभी के लिए सिर्फ एक उम्मीदवार मैदान में था। सचिव के पद के लिए नामांकन भरने वाले संदीप मेहता मुकाबले से हट गए थे। उन्हें वरिष्ठ संयुक्त सचिव चुना गया।मुधकांत पाठक को निर्विरोध कोषाध्यक्ष चुना गया। एजीएम में पांच संयुक्त सचिव और कार्यकारी समिति के आठ सदस्यों का चयन भी निर्विरोध हुआ।एएफआई की योजना समिति के प्रमुख ललित भनोट कार्यकारी समिति के सदस्यों में से एक हैं। पिछले कार्यकाल में भी वह कार्यकारी समिति के सदस्य थे। दो दिवसीय वार्षिक आम बैठक का आयोजन यहां एक होटल में किया गया जिसका मुख्य एजेंडा एक अध्यक्ष, एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पांच उपाध्यक्ष, एक सचिव, एक वरिष्ठ संयुक्त सचिव, पांच संयुक्त सचिव, एक कोषाध्यक्ष और कार्यकारी समिति के आठ सदस्यों का चयन था।विश्व चैंपियनशिप (2003 में कांस्य पदक) में पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय अंजू के लिए यह पद एएफआई की कार्यकारी समिति में उनका अब तक का शीर्ष पद है। पिछली कार्यकारी समिति में वह एथलेटिक्स आयोग की सदस्य के रूप में शामिल थी।

जस्टिन लैंगर के खुलासे से निराश है क्रिकेट आसट्रेलिया : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

आस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के कोच जस्टिन लैंगर ने हाल ही में मीडिया में पूर्व रुल्स फुटबाल खिलाड़ी एडम गुड्स का नाम लिया था और कहा था कि देश का क्रिकेट बोर्ड, टीम प्रबंधन भारत और आस्ट्रेलिया की बीच होने वाली सीरीज में नस्लवाद के विरोध का संदेश देने के लिए एडम से सलाह ले सकता है। लैंगर की इस हरकत से क्रिकेट आस्ट्रेलिया निराश है। लैंगर ने आस्ट्रेलियाई पत्रकार स्टान ग्रांट का नाम भी लिया था जिन्होंने एडम द्वारा झेले गए नस्लवाद के सफर पर बनी फिल्म द आस्ट्रेलियन ड्रीम्स को लिखा था। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, सीए इन दोनों का नाम सुर्खियों में आने से निराश है। उसकी मंशा इन लोगों से निजी तौर पर बात करने की थी और वह इन दोनों पर गैरजरूर दबाव नहीं डालना चाहती थी। सीए के आंतरिक लोग इस बात से हैरान हैं कि लैंगर ने एडम और ग्रांट का नाम सरेआम लिया। ग्रांट की पत्नी और आस्ट्रेलिया ब्रॉडकास्टर ट्रेसी होल्मस ने भी लैंगर को एडम का नाम उनकी मंजूरी के बिना लेने को लेकर आलोचना की है। लैंगर ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए यह बयान दिया था। होल्मस ने

ट्वीट किया, क्या कहानी थोड़ी अजीब नहीं है? ऐसा लग रहा है कि एडम को आस्ट्रेलियाई टीम के पास इस बात को मनाने के लिए भेजा गया है कि क्या वो नस्लवाद के खिलाफ कदम उठाएगी या नहीं। उन्होंने लिखा, यह खबरें बहुत अच्छे से प्लान की गई होती हैं। यह अच्छा होता कि लैंगर एडम को फोन कर पूछते, लेकिन अभी तक तो उन्होंने एडम से बिना पूछे बातें सामने रख दी हैं।

सीए ने शुक्रवार रात को आस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान एरॉन फिंच, तेज गेंदबाज पैट कमिंस और गैविन डोवे के साथ इस मसले पर बात की है।

चौथे स्थान के लिए राजस्थान-पंजाब मुख्य दावेदार : गावस्कर

दुबई।

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि आईपीएल-13 के प्लेऑफ के चौथे स्थान के लिए किंग्स इलेवन पंजाब और राजस्थान रॉयल्स में कड़ा मुकाबला होगा। गावस्कर ने कहा है कि मुंबई इंडियंस के अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ में पहुंचेगी। गावस्कर ने स्टार स्पोटर्स क्रिकेट लाइव शो में कहा, मेरी तीन टीमें- मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करेगी। मुझे लगता है कि चौथे स्थान के लिए राजस्थान और पंजाब के बीच कड़ा मुकाबला होगा। हालांकि श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को लगता है कि दिल्ली का प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना थोड़ी कम है। उन्होंने कहा, मुंबई पहुंच ही चुकी है और मुझे लगता है कि बेंगलोर भी पहुंच जाएगी। मैं दिल्ली कैपिटल्स को लेकर चिंतित हूं। पिछले कुछ मैचों में उनके बल्लेबाज नहीं चल सके। दिल्ली की टीम शीर्षक्रम पर काफी निर्भर है। बाकी बल्लेबाज तेजी से रन नहीं बना पा रहे। पता नहीं वह अंतिम चार में क्वालीफाई कर सकेगी या नहीं। मुझे लगता है कि किंग्स इलेवन पंजाब भी अंतिम चार में होगी।

मुम्बई सिटी एफसी ने होराम, टोंडोम्बा को अपने साथ जोड़ा

मुम्बई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम मुम्बई सिटी एफसी ने मिडफील्डर चान्सो होराम और नोरेम टोंडोम्बा सिंह के साथ करार करने की शनिवार को घोषणा की। दोनो खिलाड़ी 2024 तक टीम के साथ बने रहेंगे।मुम्बई सिटी ने हालांकि फुटबालरों को 2020-21 सीजन के लिए लोन पर दूसरी टीमों को दे दिया। 18 वर्षीय होराम टीआरएयू एफसी के लिए जबकि नोरेम सिंह आई-लीग की नई टीम सुदेवा एफसी से जुड़ेगे। होराम ने नेरोका एफसी के लिए आई-लीग में अच्छा प्रदर्शन किया है और उन्होंने मणिपुरी क्लब के लिए 15 मैच खेले हैं। नोरेम सिंह इससे पहले 2019-20 सीजन में ईस्ट बंगाल से जुड़े थे। आईएसएल के सातवें संस्करण की शुरुआत 20 नवम्बर से हो रही है। इस साल कोरोना के कारण लीग गोवा में ही खेली जाएगी।

रायपुर में विश्व स्तरीय स्पोटर्स कॉम्पलेक्स बनाने में जुटे युवा मेयर एजाज ढेबर

रायपुर।

एजाज ढेबर नए भारत के प्रतिनिधि हैं। इस साल की शुरूआत में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर का मेयर चुने जाने के बाद से 21 साल के ढेबर इस शहर को विश्व खेल मानचित्र पर लाने के लिए प्रयासरत हैं और इसी क्रम में उन्होंने हिंद स्पोर्ट्स ग्राउंड लाखेनगर को विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने पहल की है। छत्तीसगढ़ में खेल संस्कृति का तेजी से विकास हो रहा है। रायपुर में शानदार इंटरनेशनल स्टेडियम बन चुका है और महासमुंद में विश्वस्तरीय हाकी एस्ट्रो टर्फ मैदान है, जहां इंटरनेशनल मैचों का आयोजन हो चुका है। हाल ही में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने छत्तीसगढ़ में हॉकी अकादमी को मान्यता दे दी थी। वहीं राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बिलासपुर को स्टेट सेंटर ऑफ एक्सिलेंस का दर्जा दिया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद पहली बार रायपुर में आवासीय हॉकी अकादमी प्रारंभ होने जा रही है। इसके साथ ही साथ बिलासपुर में एक्सिलेंस सेन्टर प्रारंभ होने जा रहा है। साथ ही बिलासपुर में एथलेटिक, कुश्ती और तैराकी के लिए एक्सिलेंस सेन्टर का प्रस्ताव साई को भेजा गया था, जिसकी स्वीकृति प्राप्त हो गई है। वन स्टेट वन गेम के तहत रायपुर में तीरंदाजी खेल के विकास की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है और इन सभी के पीछे एजाज ढेबर जैसे युवा और कर्मठ मेयर का भी खासा योगदान रहा है, जो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दिशा-निर्देशों पर हर काम को बखूबी अंजाम दे रहे हैं।ढेबर इस साल जनवरी में रायपुर के मेयर बने थे और उसके बाद से ही कोरोनावायरस का प्रकोप शुरू हो गया था। इस दौरान ढेबर ने कोरोना काल में संकट से निपटने के लिए सभी 70 वाडरें में निशुल्क वेंटिलेटर युक्त एम्बुलेंस सुविधा शुरू की और आज तक इस काम में लगे हुए हैं। यही नहीं, ढेबर ने अपने प्रयासों से ऐतिहासिक धरोहर बुढ़ातालाब का कायाकल्प किया और तेलीबांधा को स्मार्ट बनाया जा रहा है। साथ ही कोतवाली थाना को हाईटेक बनाया जा रहा है। इन सबके इतर खेल प्रेमी ढेबर ने रायपुर में एक विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनाने की पहल की है। ढेबर की इच्छा वन स्टेट वन गेम के तहत रायपुर को पूरे राज्य की खेल राजधानी भी बनाने की है। बीते दिनों ढेबर की देखरेख में हिन्द स्पोटिंर्ग मैदान को अतिक्रमण मुक्त कराया गया और एक कार्य योजना बनाकर एक भव्य स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण करने का प्लान तैयार किया गया। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड को यह काम सौंपा गया है और कहा गया है कि हिन्द स्पोटिंर्ग मैदान में स्पोट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण किया जाए। इसके तहत एक सुन्दर बड़ा फुटबाल मैदान बनाया जाए और साथ ही मैदान में बास्केटबॉल, वॉलीबाल, जिम्नास्टिक के इंडोर कोर्ट तैयार किए जाएं।

राजस्थान की तेज गेंदबाजी आक्रमण में आर्चर एकमात्र रेंजर

अबू धाबी। जोफरा आर्चर राजस्थान रॉयल्स की तेज गेंदबाज आक्रमण में एकमात्र रेंजर रहे हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज आर्चर ने आईपीएल-13 में अब तक 19 विकेट लिए हैं और वह टीम की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। बाकी तेज गेंदबाजों ने संयुक्त रूप से इतने विकेट लिए हैं। बेन स्टोक्स, कार्तिक त्यागी, जयदेव उनादकट, टॉम कुरैन, अंकित राजपूत और एंड्रू टाई ने मिलकर 19 विकेट लिए हैं। वरुण एरॉन ने पिछले दो मैचों में एक भी विकेट नहीं लिया है। आर्चर ने जहां इतने विकेट हासिल करने के लिए 51.4 ओवर लिए हैं तो वहीं टीम के बाकी तेज गेंदबाजों ने 114.2 ओवर लिए हैं। आर्चर का इकोनॉमी रेट भी केवल 6.69 का रहा है जबकि बाकी अन्य तेज गेंदबाजों का 10.5 का रहा है। स्पिनरों में श्रेयस गोपाल और राहुल तेवतिया सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं और उन्होंने 18 विकेट लिए हैं। आर्चर ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ शुक्रवार को चार ओवरों में 26 रन देकर दो विकेट लिए थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जानिए इन रहस्यमयी जगहों को

लोगों के घूमने-फिरने की कोई सीमा नहीं है। देश-विदेश की सीमा पार कर लोग अपने घूमने के लिए जगह तलाश ही लेते हैं, चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में हो। लेकिन दुनियाभर के कई पर्यटक स्थलों को कुछ खौफनाक या डरावने इतिहास के लिए याद किया जाता है। बावजूद लोग वहां भी घूमने जाते हैं।

➔ सोनोरा चुड़ैल मार्केट, मेक्सिको

मैक्सिको की राजधानी का सोनोरा मार्केट सैलानियों को आकर्षित करने वाला है। इस बाजार की सबसे दिलचस्प खासियत यह है कि यहां तंत्रमंत्र और जादू टोने की हर सामग्री मिलती है। विदेशी सैलानी यहां सैरसपाटेके लिए आते हैं तो स्थानीय लोग सांप का खून और सुखाया हुआ हमिंगबर्ड खरीदने। इन्हें यहां पर अच्छे भविष्य की निशानी माना जाता है।

➔ मटर म्यूजियम ऑफ मेडिकल हिस्ट्री, अमेरिका

अमेरिका के फिलाडेल्फिया का मटर म्यूजियम ऑफ मेडिकल हिस्ट्री, पुराने मेडिकल संसाधनों का पिटारा है। यहां कई पुराने उपकरण रखे हुए मिल जायेंगे। लेकिन सबसे डरावनी बात यह है कि यहां मानव खोपड़ियों का विशाल संग्रह है। लोग इन्हें देखने के लिए आते हैं।

➔ करणी माता मंदिर, राजस्थान

राजस्थान के देशनोक गांव का करणीमाता मंदिर पर्यटकों को काफी आकर्षित करता है। इसकी वजह इस मंदिर का स्थापत्य कला या धार्मिक कारण न होकर यहां दिखायी देने वाले चूहे हैं। करणीमाता मंदिर में सैंकड़ों की संख्या में चूहे बिना डरे से इधर-उधर घूमते नजर आते हैं और पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

➔ विंचेस्टर हाउस, कैलिफोर्निया, अमेरिका

अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक घर को भूत बंगला के तौर पर जाना जाता है। 160 कमरों का महलनुमा यह घर पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। खास कर यह उन लोगों के लिए रोमांचक जगह है, जिन्हें भूत-प्रेत में विश्वास है। माना जाता है कि यहां सारा नामक एक लड़की की आत्मा घूमती रहती है।

➔ मैरी किंग्स, एडिनबर्ग, ब्रिटेन

यह वह जगह है, जहां की गलियां बीते दिनों की भयावह सच्चाइयां उजागर करती हैं। यहां कभी प्लेग के शिकार लोगों को सड़कों पर यूं ही तड़पता हुआ मरने के लिए छोड़ दिया गया था और वे तड़प-तड़प कर मर गये। इस ह्रदय विदारक जगह पर अब पर्यटकों की भीड़ लगती है। ये पर्यटक यहां पर अदृश्य शक्तियों की तलाश करते है।

तुम्हारी स्कूल की छुट्टियां तो खत्म हो गई होंगी और स्कूल से मिला हॉलीडे होमवर्क भी तुमने खत्म कर लिया होगा। लेकिनतुममें से कितने बच्चों ने हैंडराइटिंग के 100 पेज पूरे किए। नहीं किए ना! बेचारी टीचर कह-कहकर थक जाती हैं कि रोज 10 पेज लिखकर हैंडराइटिंग का अभ्यास करो, लेकिन तुम लोग हमेशा इससे बचते हो। चलो आज हम जानते हैं हैंडराइटिंग की कहानी और क्या है इसका महत्व।

आईना है तुम्हारी लिखावट

क्या है हैंडराइटिंग

सबसे पहले तुम्हें समझना चाहिए कि हैंडराइटिंग क्या है? पेन या पेंसिल पकड़कर अक्षर बनाना ही केवल हैंडराइटिंग की परिभाषा नहीं है, बल्कि अलग-अलग इंसान के लिखने की अद्भुत कला को हैंडराइटिंग कहा जाता है और ये कैलिग्राफी और टाइपफेस से अलग होती है। तु हें पता है, हर इंसान की अपनी एक हैंडराइटिंग होती है और पूरी दुनिया में किसी भी इंसान की हैंडराइटिंग एक जैसी नहीं है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि जुड़वां बच्चों की हैंडराइटिंग भी एकदम अलग होती है।

लेखन की शुरुआत

हैंडराइटिंग के इतिहास को लेकर लोगों के अपने-अपने मत हैं। कहा जाता है कि इसकी शुरुआत 3,300 ईसा पूर्व मेसोपोटामिया में हुई थी। उस समय किसी आदमी ने मिट्टी के बोर्ड पर राशन का रिकॉर्ड रखने के लिए पहली बार लिखा था। ब्रिटेन के एक म्यूजियम में इस बोर्ड को आज तक संभालकर रखा गया है। वहीं कुछ शोधकर्ताओं का ये भी मानना है कि 60,000 से 25,000 ईसा पूर्व आदमी हड्डियों और पत्थरों पर आड़ी-तिरछी लाइनें खींचा करता था, ठीक उसी तरह जिस तरह तुम लोग क्लास में बोर होते समय अपनी कॉपी में खींचते रहते हो। इसकी भी एक मजेदार कहानी है। पुराने समय में जब लोग जहाज लेकर जाते थे तो उस टापू की पहचान के लिए उसके पत्थरों पर बड़ी-बड़ी लकीरें खींच देते थेजिससे कोई और जहाज और उसके कर्मचारी वहां अपना ठिकाना न बनाएं।

कहती है बहुत कुछ..

तुम्हारी हैंडराइटिंग तुम्हारे बारे में बहुत कुछ बताती है। इसे ग्राफोलॉजी यानी हैंडराइटिंग एनालिसिस भी कहते हैं। तुम जिस तरह अक्षर बनाते हो, तराशते हो, इससे तुम्हारी 5000 तरह की पर्सनैलिटी का पता चलता है। साइकोलॉजी विषय में तुम्हारी हैंडराइटिंग की मदद से ही पता लगाया जाता है कि दिमाग सही काम कर रहा है या नहीं।

राइटिंग से जुड़ी मजेदार बातें

- नेपोलियन बोनापार्ट के बारे में तो तुम लोग जानते ही होगे। पता है, उनकी हैंडराइटिंग इतनी भयानक और भद्दी थी कि वह जब भी अपने कमांडर को कोई नोट लिखकर भेजते थे तो वह किसी युद्ध का मैप लगता था।
- कुछ लोगों का मानना है कि राइटिंग दुनिया में पिछले 5,000 सालों से है, वहीं कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि यह 50,000 से 100,000 साल पुरानी है।
- यूरोप में 15वीं शताब्दी में केवल अमीर वर्ग के लोग ही अच्छी राइटिंग में लिखना जानते थे।
- अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन की हैंडराइटिंग इतनी सुंदर थी कि जब वह केवल 12 साल के थे, तब उनके नोट्स की एक कॉपी वॉशिंगटन की लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस में लगाई गई थी।
- अमेरिका में 1000 से भी ज्यादा ऐसे स्कूल हैं, जहां हैंडराइटिंग एक आवश्यक स्किल है। यानी तुम लोग जिस तरह बहाना बना देते हो, वे बच्चों हैंडराइटिंग के लिए बहाना भी नहीं बना पाते हैं।
- वैज्ञानिकों का मानना है कि साफ-सुथरे तरीके से लिखने से याददाश्त तेज होती है।

बनेगा बेहतर भविष्य

पता है अगर तुम साफ-सुथरी हैंडराइटिंग में लिखते रहोगे तो तुम्हारा भविष्य बेहतर बन सकता है। अच्छे लेखन और राइटिंग का प्रभाव दूसरे व्यक्ति पर जरूर पड़ता है। हो सकता है कि तुम अपनी सुंदर हैंडराइटिंग के कारण कैलिग्राफी आर्टिस्ट, राइटिंग आर्टिस्ट, शिक्षक और लेखक आदि बन जाओ। स्कूल में भी अपने टीचर की नजर में तुम नंबर वन छात्र बन सकते हो। स्कूल में भी सुलेख प्रतियोगिताएं होती ही रहती हैं। अपनी हिंदी और अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं की राइटिंग सुधारो और इन प्रतियोगिताओं के चैंपियन बनकर दिखाओ। देखना, हर तरफ तु हारी वाहवाही होगी।

राइटिंग स्किल भी जरूरी

राइटिंग में कुछ रचनात्मकता भी झलकनी चाहिए और इसी रचनात्मकता को कहते हैं राइटिंग स्किल। तुम्हारी हैंडराइटिंग और तुम्हारे ज्ञान का मिश्रण ऐसा होना चाहिए कि तुम्हें कोई भी विषय दे दिया जाए और तुम फट से उस पर लिख डालो। तुम्हारे शिक्षक भी उन बच्चों से बेहद खुश रहते होंगे, जिनकी हैंडराइटिंग और राइटिंग स्किल अच्छी होती होगी, इसलिए अभ्यास जरूरी है। निरंतर अभ्यास करते रहने से तुम निबंध, अनुच्छेद, पत्र, संवाद, चित्र और डायरी लेखन बिना किसी हिचकिचाहट के आसानी से कर सकोगे।

अक्षर का पुराना

इतिहास

देखो, हैंडराइटिंग को सुंदर बनाने के लिए एक-एक अक्षर को सुडौल और खूबसूरत बनाना पड़ता है। इन ह्श्वयारे-ह्श्वयारे अक्षरों की भी एक कहानी है। पहले अक्षर की खोज 1900 ईसा पूर्व सीनाई पेनिनसुला के लोगों ने की थी। इन सेमिटिक लोगों को मिस्त्र ने गुलाम बना रखा था। ये लोग हमेशा सोचते रहते कि अक्षरों की अपनी एक दुनिया है और हर श द की अपनी एक ध्वनि भी है। उन्हें समझ में आया कि अक्षर से चीजें याद रखने में बेहद मदद मिलती है, वहीं संकेत तो वे भूल जाते हैं। इसके बाद उन्होंने 22 मिस्त्र के संकेतों को अपने संकेतों के साथ मिलाया और पहले अक्षर की रचना की। इसके बाद वे इन अक्षरों का प्रयोग कुछ प्रचलित चीजों के लिए करने लगे जैसे घर, हाथ, पानी, आंख और मछली।

नेशनल हैंडराइटिंग डे

जिस तरह तुम लोग टीचर्स डे, रिर्पा लिक डे और फादर्स डे सेलिब्रेट करते हो, वैसे ही कई देशों में हैंडराइटिंग डे भी मनाया जाता है। यह दिन हर वर्ष 23 जनवरी को आता है। इस दिन बच्चों अपने-अपने घरों में, स्कूलों में कम से कम एक पेज जरूर लिखते हैं। बच्चों की हैंडराइटिंग का विकास बचपन से शुरू हो जाता है। इसलिए निरंतर अज़्यास करना जरूरी है। अगर बच्चा उल्टे हाथ से लिखना शुरू कर रहा है तो उस पर ध्यान देने की थोड़ी अधिक जरूरत है। इसके लिए अभिभावक उसका हाथ पकड़कर और बिंदु बनाकर उसका अभ्यास करवाएं।

ऐसे सुधार सकते हो लिखावट..

रोज लिखो - तुम रोज कम से कम पांच पन्ने लिखने की आदत डालो। इस तरह तु हारी हैंडराइटिंग खुदब- खुद सुधर जाएगी और तु हें लिखने में मजा आनेलगेगा।

स्पेलिंग पर ध्यान - लिखते समय स्पेलिंग की गलती का जरूर ध्यान रखना। जब तुम रोज अभ्यास करो,

तब किसी बड़े से एक बार जरूर अपने पेज को पढ़वा लो, इस तरह तुम्हारी हैंडराइटिंग का भी आकलन हो जाएगा और तुम्हारी स्पेलिंग की गलतियां भी सामने आ जाएंगी।

बनाओ फ्यारी सी डायरी - देखो हैंडराइटिंग के अभ्यास के लिए तुम्हारी नोटबुक भी खास होनी चाहिए, इसलिए एक प्यारी सी डायरी खरीदो और रोज उस पर ही अभ्यास करो। इस तरह तुम्हें अपनी डायरी से प्यार होगा और तुम्हें लिखना भी अच्छा लगने लगेगा। ग्रीटिंग कार्ड बनाओ - तुम अपने मम्मी-पापा, टीचर और भाई-बहनों के लिए खुद से कार्ड बनाओ और उस पर लिखो। इससे भी तुम्हारा अभ्यास होता रहेगा।

चिट्ठी करेगी मदद - आज मोबाइल के जमाने में चिट्ठी का दस्तूर एकदम खत्म हो गया है, लेकिन तुम इस परंपरा को फिर से शुरू कर सकते हो। बस झट से कागज-कलम उठाओ और अपने किसी रिश्तेदार को चिट्ठी लिखो। देखना, तु हारी हैंडराइटिंग में कितना सुधार आता है।

अच्छी कलम-पेंसिल का इस्तेमाल - अच्छी हैंडराइटिंग में बढ़िया पेन और पेंसिल का भी बेहद योगदान होता है, इसलिए इन चीजों में कभी कंजूसी मत करना। तुम जितना अच्छा पेन या पेंसिल इस्तेमाल करोगे, तुम्हारा सुलेख उतना सुंदर होगा।

फाउंटेन पेन - जब तुमने पहली बार पेन से लिखना शुरू किया होगा, तब तुम्हारी टीचर ने फाउंटेन पेन से लिखने की सलाह दी होगी। फाउंटेन पेन से हैंडराइटिंग बेहद अच्छी होती है।

आत्मविश्वास जरूरी - अच्छी हैंडराइटिंग के लिए आत्मविश्वास भी बेहद जरूरी है। हर समय बस ये मत सोचो कि मेरी राइटिंग तो कितनी गंदी है, बल्कि ये सोचो कि मुझे अपनी हैंडराइटिंग सबसे बेहतर करनी है।

लिखो बोर्ड पर - अक्षरों को बेहतर शेप देने के लिए व्हाइट या ब्लैक बोर्ड पर लिखना शुरू कर दो। इससे तुम्हारा हाथ सेट होगा और तुम फिर कॉपी पर भी अच्छा लिखना शुरू कर दोगे।

देखो दोस्तों की राइटिंग - दूसरों से सीखकर तुम बहुत कुछ सीख सकते हो। अपने दोस्तों की हैंडराइटिंग देखकर भी प्रेरणा ले सकते हो।

अपनाओ अपना स्टाइल - तुम जिस तरह लिखने में आरामदायक महसूस करते हो, वैसे ही लिखो। ये कतई जरूरी नहीं कि तुम्हारा दोस्त कर्सिव लिख रहा है तो तुम भी वैसे ही लिखो। तुम अपना खुद का राइटिंग स्टाइल अपनाओ। कंप्यूटर को 'नो' हर समय लिखने के लिए कंप्यूटर, टाइपराइटर और अन्य शॉर्टकट अपनाने से बचो। छोटे से छोटे नोट, घर की लिस्ट भी हाथ से लिखो।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मौनी रॉय

ने कर ली सगाई हाथ में डायमंड रिंग देख लोग हुए कन्फ्यूज

कोरोना काल में एक बार फिर से शादी और सगाई का दौर शुरू हो गया है. बॉलीवुड और टीवी जगत के कई सेलेब्स अपनी जिंदगी की नई शरुआत करने जा रहे हैं. टीवी से बॉलीवुड में सफर करने वालीं एक्ट्रेस मौनी रॉय ने कुछ ऐसा पोस्ट किया, जिसको बाद सोशल मीडिया पर खलबली मच गई. लोगों ने कयास लगाने शुरू कर दिए कि शायद मौनी ने शादी का फैसला ले लिया है और सगाई कर रिश्ते में बंध गई हैं. लेकिन इस तस्वीर की सच्चाई कुछ और ही थी.

मौनी रॉय इन दिनों लंदन में हैं और अपनी नई फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं. सोशल मीडिया पर मौनी काफी एक्टिव रहती हैं और अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ न कुछ अपने फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं. हाल ही में मौनी ने अपने इंस्टा पोस्ट में डायमंड रिंग पहने नजर आई. रिंग फिंगर में मौनी को ये रिंग पहने देख लोग कन्फ्यूज हो गए.

तस्वीर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन दिया, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि अब भारत में भी एक ऐसी ब्रांड है, जो इंगेजमेंट रिंग बनाने में माहिर है. मुझे उनके कलेक्शन काफी ज्यादा पसंद आ रहे हैं. आप भी जरूर देखें. आप अपना डिजाइन कस्टमाइज भी करा सकते हैं. इसके साथ ही आपकी एक्सपर्ट्स मदद करते हैंउन्होंने एक डायमंड रिंग की कंपनी के विज्ञापन के लिए यह पोस्ट किया है. कुछ सेलेब्स ने कमेंट कर कहा कि हमें तो लगा तुमने सगाई कर ली है.

आपको बता दें कि वैसे बीते दिनों खबर थी कि फिल्म ब्रह्मास्त्र के डायरेक्टर अयान मुखर्जी का मौनी रॉय के साथ अफेयर चल रहा है.

सपना चौधरी के डांस मूव्स देख दीवाने हुए लोग, 1 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया वीडियो

अपने ठुमको से लोगों को दीवाना बना देने वाली सपना चौधरी बेहतरीन डांसर्स में से एक हैं. सोशल मीडिया पर उनके डांस वीडियो पलभर में वायरल हो जाते हैं. अपने डांस और शानदार मूव्स की वजह से वो आज देशभर में अपनी पहचान बना चुकी हैं. अपने ठेठ हरियाणवी अंदाज से लोगों को दिल धड़काने वाली सपना का एक पुराना वीडियो इस दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. स्टेज पर सपना अपने जलवे देखकर उनके फैन्स झूमने पर मजबूर हो रहे हैं.

सपना चौधरी ने अपने बिंदास स्टाइल से लोगों का दिल धड़काने वाली सपना चौधरी वैसे तो कई हरियाणवी डांस वीडियो हैं. लेकिन एक वीडियो ऐसा है, जिसको देखने के बाद लोग ठुमके लगाने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं. सपना ने इस वीडियो में घूंघट करके देसी अदाओं के साथ डांस किया है. गाने के बोल हैं मेरा चांद लुका है यारो घूंघट की ओट में.

फिल्म द व्हाइट टाइगर के ट्रेलर में दिख रहा है कि प्रियंका चोपड़ा और राजकुमार राव एक एनआरआई कपल हैं और उनकी जिंदगी में एक्टर आदर्श गौरव ड्राइवर और सर्वेंट बनकर आते हैं. ये कहानी हत्रख्र कपल की नहीं है बल्कि एक नौकर की है, जो अपने मालिकों की सेवा करने में इतना बिजी है कि उसे अपनी जिंदगी में कुछ और नजर नहीं आता है. वहीं प्रियंका चोपड़ा उसे ये समझाने की कोशिश करती दिखाई देती हैं कि उसके कुछ तो सपने होंगे. लगीं अचानक उस नौकर की जिंदगी में कुछ ऐसा होता है जो वाकई चौंकाने वाला है.

बता दें कि ये फिल्म द व्हाइट टाइगर नाम से 2008 में आई अरविंद अडिगा के नॉवल पर आधारित है. इस नॉवल ने 40वां बुकर प्राइज़ जीता था। द व्हाइट टाइगर में मुख्य रूप से ग़रीबी, जाति, धर्म, राजनीति, भ्रष्टाचार पर कमेंट किया गया है.

सलवार सूट पहनकर स्टेज पर अपने ही अंदाज में डांस करती दिख रही हैं. वीडियो में हरियाणा की देसी क्वीन सपना चौधरी जोरदार डांस कर रही हैं. इस गाने में सपना चौधरी के डांसिंग स्टेप्स कमाल के हैं. लोग उनके ठुमकों पर झूम रहे हैं. उनके इस डांस परफॉर्मेंस वीडियो ने सोशल मीडिया पर धूम मचाई हुई है. सपना को इस डांस वीडियो पर भी फैंस की ओर से जबरदस्?त रिस्?पॉन्?स मिल रहा है.

हरियाणवी गानों में तहलका मचाने के बाद बिग बॉस में नजर आई थीं. बिग बॉस में उनकी पारी हंगामाखेज रही थी और उन्होंने बिग बॉस में जमकर धमाल मचाया था. बिग बॉस से बाहर आने के तुरंत बाद ही उन्हें भोजपुरी सिनेमा में काम मिल गया. %बैरी कंगना% में उनका स्पेशल नंबर काफी पॉपुलर रहा. इसके बाद सपना चौधरी ने पंजाबी मूवी में भी स्पेशल सॉन्ग किया. सपना चौधरी अब बॉलीवुड में भी एक्टिंग डेब्यू कर चुकी हैं और उनकी पहली फिल्म %दोस्ती के साइड इफेक्ट्स रही थी. आपको बता दें कि 4 अक्टूबर को सपना चौधरी मां बनी हैं. उन्होंने इसी साल जनवरी में अपने बॉयफ्रेंड वीर साहू से शादी की है.

DDLJ के गाने को हूबहू किया गया रीक्रिएट, VIDEO देख शाहरुख खान ने भी की तारीफ

इंडोनेशिया की यूट्यूबर वीना फैन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे के एक गाने जरा सा झूम लूं मैं में डांस करती नजर आ रही हैं.

बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगेकी रिलीज को हाल ही में 25 साल हुए हैं. इस वजह से ट्विटर पर DDLJ का नाम कुछ दिनों से लगातार छाया हुआ है. इसी बीच इंडोनेशिया की यूट्यूबर वीना फैन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह इस फिल्म के एक गाने जरा सा झूम लूं मैं में डांस करती नजर आ रही हैं, लेकिन सिर्फ डांस के कारण यह वीडियो इंटरनेट पर नहीं छाया हुआ है, बल्कि इसके पीछे एक और भी वजह है.

शाहरुख ने वीडियो शेयर कर कहा- थैंक यू

दरअसल, फिल्म का सबसे मशहूर गाना जरा सा झूम लूं मैं% को वीना फैन ने रीक्रिएट किया है. उन्होंने इस गाने को हूबहू कॉपी करके इसे रीक्रिएट किया है, जो न सिर्फ लोगों को पसंद आई है, बल्कि खुद शाहरुख खान को भी वीना का यह वीडियो बेहद पसंद आया है. शाहरुख को यह वीडियो इतना ज्यादा अच्छा लगा है कि उन्होंने इस वीडियो को अपने ट्विटर पर भी शेयर किया है. इस वीडियो को शेयर करते हुए शाहरुख ने लिखा, यह कितना प्यारा है, थैंक यू. आप भी देखिए ये वीडियो...

दो साल बाद पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं शाहरुख

बात दें, शाहरुख खान इन दिनों अपने लुक को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं. फिल्म जीरो की असफलता के बाद से शाहरुख ने ब्रेक लिया और अब दो साल बड़े पर्दे से दूर रहने के बाद शाहरुख दोबारा पर्दे पर वापसी करने को तैयार हैं. किंग खान ने दो साल के ब्रेक के बाद एक नहीं बल्कि तीन फिल्में साइन कर ली हैं. बताया जा रहा है कि एक्टर पठान के अलावा राजकुमार हिरानी और साउथ फिल्ममेकर संग भी फिल्में करने जा रहे हैं. शाहरुख खान की फिल्म पठान को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है. खबर ये भी है कि शाहरुख खान साउथ इंडियन फिल्मों के डायरेक्टर एटली के साथ काम करने जा रहे हैं. उनकी फिल्म में शाहरुख खान डबल रोल निभाते नजर आ सकते हैं.

Kriti Kharbanda B'day: इस पंजाबी लड़की ने साउथ फिल्मों में जमाया सिक्का, फिर बॉलीवुड में यूं किया धमाका!

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने बेहद कम समय में अपनी अलग पहचान बना ली है. वहीं आज कृति अपना 30वां जन्मदिन मना रही हैं. आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं उससे पहले कृति साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अच्छा-खासा नाम कमा चुकी हैं. यही नहीं कृति अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से भी आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं. वो अपने बॉयफ्रेंड के साथ आए दिन क्यूट फोटोज और वीडियोड शेयर करती दिखाई दे जाती हैं. वहीं आज उनके जन्मदिन के मौके पर हम आपको बताने जा रहे हैं. उनके करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी कुछ खास बातें.

कृति खरबंदा ने अपने करियर की शुरुआत साउथ सिनेमा की फिल्मों से की थी. उनका जन्म 29 अक्तूबर 1990 को हुआ था. दिल्ली की एक पंजाबी फैमिली से आने वाली कृति का तमिल फिल्म इंडस्ट्री तक पहुंचने का सफर काफी दिलचस्प है. काफी समय तक दिल्ली में रहने के बाद कृति अपने पूरे परिवार के साथ बेंगलुरु शिफ्ट हो गई थीं. वहीं यहां उन्होंने हाईस्कूल से आगे की पढ़ाई की और यहीं पर उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई के दौरान मॉडलिंग शुरु कर दी. कृति ज्वेलरी डिजाइनिंग में डिप्लोमा कर रही थीं.वहीं इस दौरान उन्होंने कई मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स में भी हिस्सा लिया, उन्होंने कई विज्ञापनों में भी काम किया. वहीं इसके बाद उन्हें एक तमिल फिल्म से एक्टिंग डेब्यू का मौका मिला. ये फिल्म थी बोनी जो 2009 में रिलीज हुई थी. वहीं फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर सकी लेकिन कृति को खूब तारीफें मिलीं. यहीं से कृति का एक्टिंग करियर चल पड़ा.

इसके बाद उन्होंने 2016 में अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म की. कृति ने इमरान हाशमी की फिल्म राज रीबूट से हिंदी सिनेमा में एंट्री की. इसके बाद से वो कई सफल फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं. वो गेस्ट इन लंदन शादी में जरूर आना, वीरे की वेडिंग, यमला पगला दीवाना फिर से, हाउसफुल 4 और पागलपंती जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. उन्हें इंडस्ट्री में चार साल ही हुए और उन्होंने अपनी अच्छी खासी पहचान बना ली है.पर्सनल लाइफ की बात करें तो कृति इन दिनों अभिनेता पुलकित सम्राट को डेट कर रही हैं और उनके साथ सोशल मीडिया पर आए दिन दिलचस्प फोटोज और वीडियो शेयर करती दिखाई दे जाती हैं.

लखनऊ में डीआईजी अनिल कुमार और उनकी पत्नी पर थाने में धोखाधड़ी का मुकदमा

कारोबारी का आरोप फ्लैट बेचने के नाम पर डकार गए 6,40,000 रुपए दर्ज कराया छेड़छाड़ के केस

लखनऊ(एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में वायरलेस विभाग के डीआईजी अनिल कुमार, उनकी पत्नी पुष्पा, चंद्र पाल सिंह और सब इंस्पेक्टर बृजेश कुमार सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी, धमकाने की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। ये एफआईआर कल्याणपुर के एक कारोबारी रमेश कुमार गुप्ता ने दर्ज कराई है। आरोप लगाया गया है कि अनिल कुमार और उनकी पत्नी पुष्पा ने महानगर स्थित अपना फ्लैट 60 लाख रुपए में बेचने का सौदा किया था। इसके लिए उन्होंने एडवांस लिए थे। बाकी पैसा किश्तों में देने को कहा था। उन्होंने एडवांस दे दिया, जिसके बाद अनिल कुमार ने फ्लैट का कब्जा भी दे दिया।

रमेश के अनुसार फ्लैट में मरम्मत और पेंट आदि भी उसने करवा दिया था। इसके बाद डीआईजी ने फ्लैट बेचने से मना कर दिया। अब न तो वो एडवांस की रकम लौटा रहे हैं, न ही फ्लैट ही बेच रहे हैं। व्यापारी ने कहा कि डीआईजी ने रुपयों की जरूरत बताकर फ्लैट बेचने के नाम पर एडवांस रकम हड़प लिए। उन्होंने डीआईजी को कुल मिलाकर 640000 की रुपए दिए हैं। वहीं फ्लैट की रंगाई पुताई में भी करीबी 62000 का खर्च आया है। यही नहीं जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी तो डीआईजी ने अपना प्रभाव दिखाते हुए अपने स्टाफ से धमकी दिलवाई और उनकी पत्नी की तरफ से उसके खिलाफ एक छेड़छाड़ का मुकदमा हजरतगंज कोतवाली में दर्ज करा दिया। रमेश के अनुसार पिछले एक साल से वह एफआईआर के लिए दौड़ रहे थे, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। आखिरकार उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट में शरण ली। यहां भी कोर्ट ने जब यूपी के डीजीपी को अवमानना नोटिस जारी किया, तब जाकर एफआईआर लिखी जा सकी है।

बाहुबली विधायक विजय मिश्रा का बेटा भाग सकता है विदेश, लुक आउट नोटिस जारी

रिश्तेदार से संपत्ति विवाद में जेल में बंद हैं विजय मिश्रा, पत्नी को मिली है सशर्त जमानत

भदोही(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के ज्ञानपुर विधानसभा सीट से बाहुबली विधायक विजय मिश्रा के कारोबारी बेटे विष्णु मिश्रा के खिलाफ देश से भागने की आशंका में लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। विष्णु मिश्रा पर रिश्तेदार की प्रॉपर्टी कब्जा करने समेत अन्य आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ था। उसके अलावा एक युवती ने भी विष्णु मिश्रा पर रेप का मुकदमा दर्ज कराया है। रिश्तेदार से संपत्ति विवाद में जेल में बंद बाहुबली विधायक विजय मिश्रा के बेटे विष्णु मिश्रा पर शिकंजा कसता दिख रहा है।

रिश्तेदार कृष्ण मोहन तिवारी ने प्रॉपर्टी पर कब्जा करने समेत अन्य आरोपो में विधायक विजय मिश्रा, उनकी पत्नी रामलली मिश्रा और पुत्र विष्णु मिश्रा के खिलाफ 4 अगस्त को मुकदमा दर्ज कराया था। इस प्रकरण में विधायक विजय मिश्रा को मध्य प्रदेश से पुलिस ने गिरफ्तार किया था जिसके बाद से वह जेल में बन्द है। विजय मिश्रा की एमएलसी पत्नी रामलली मिश्रा वह सशर्त जमानत पर हैं, जबकि बेटा विष्णु मिश्रा फरार चल रहा है। पुलिस अधीक्षक राम बदन सिंह ने इस बाबत जानकारी देते हुए बताया कि विधायक विजय मिश्रा का बेटा फरार चल रहा है। लुक आउट नोटिस जारी किया गया

सार–समाचार

राशन की दुकान पर 30 रुपये किलो आलू व 35 रुपए किलो प्याज

अलीगढ़ (एजेंसी)। राशन व प्याज की बढ़ती कीमतों को देखते हुए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण फैसला लिया है। अब राशन की दुकान पर सस्ते दामों में आलू व प्याज की बिक्री होगी। इसके लिए जिले की कुल 6 दुकानें चिन्हित की गई हैं। इन सभी दुकानदारों को प्रशासन की ओर से आलू प्याज का स्टॉक करा दिया गया है। 30 रुपये किलो आलू व 35 रुपए किलो प्याज बिकेगी।जिला पूर्ति अधिकारी राजेश कुमार सोनी ने बताया कि पिछले काफी समय से बाजार में आलू व प्याज की कीमत तेजी से बढ़ रही हैं। दोनों 50 प्रति किलो का आंकड़ा पार कर चुकी हैं । ऐसे में शासन ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी जिले में कालाबाजारी ना हो । सभी व्यापारियों का स्टॉक चेक किया जा रहा है। इसके साथ ही राशन की दुकानों पर भी अब आलू व प्याज की बिक्री होगी । छह दुकानें इसके लिए तय हुई हैं। इसमें शहर व देहात की दुकानें शामिल हैं।

किशोर ने मासूम के साथ किया कुकर्म, रिपोर्ट दर्ज

बुलंदशहर (एजेंसी)। जिले के कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी मासूम के साथ किशोर ने कुकर्म किया। पीड़ित के पिता ने आरोपित के विरूद्ध कोतवाली पुलिस को नामजद तहरीर दी है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपित के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जानकारी के मुताबिक गुलावठी रोड के गांव निवासी पीड़ित ने बताया कि शुक्रवार की शाम को उसका सात वर्षीय बेटा घर के सामने खेल रहा था। इस दौरान गांव का 13 वर्षीय किशोर उसके मासूम बेटे को बहला–फुसलाकर गांव के पास खेतों में ले गया। जहां उसके साथ किशोर ने कुकर्म की वारदात को अंजाम दिया। इस बीच देर शाम पीड़ित मासूम रोता बिलखता घर पहुंचा और परिजनों को आप बीती सुनायी। इस पर परिजन मासूम को लेकर कोतवाली पहुंचे और आरोपित किशोर के विरूद्ध पुलिस को नामजद तहरीर दी। पुलिस ने आरोपित किशोर के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाल दीक्षित कुमार त्यागी ने बताया कि पीड़ित के पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पीड़ित मासूम को मेडिकल के लिए भेजा है।

पहले मां को खोया और अब पिता ने किया कई बार रेप, मामला दर्ज

किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देने वाला क्रूर पिता फरार

बरेली(एजेंसी)। यूपी के बरेली में एक व्यक्ति के खिलाफ अपनी नाबालिग बेटी से दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने शनिवार को बताया, 'लड़की की मां का निधन दो वर्ष पहले हो गया था और पिछले एक माह से उसका पिता उसके साथ अश्लील हरकतें कर रहा था। सजवाण के अनुसार,'पीड़िता ने यह भी बताया कि पिता ने उसे धमकी दी थी कि यदि उसने दुष्कर्म के बारे में किसी को कुछ बताया तो वह उसे जान से मार देगा। पुलिस के अनुसार 15 वर्षीया लड़की ने अपने रिश्तेदारों के सहयोग से प्रेम नगर थाने में पिता के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। प्रेम नगर थाना प्रभारी निरीक्षक अवनीश यादव ने बताया कि एसएसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है और पुलिस आरोपी के घर गई थी, लेकिन वह फरार हो गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि चिकित्सकीय परीक्षण में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है।

यूपी में त्योहारों पर डीएम समेत सभी सरकारी अफसरों की छुट्टी पर योगी सरकार ने लगाई रोक

जिलाधिकारी, अन्य अफसर तथा पुलिस अधिकारी अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर अवकाश पर न जाएं

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने त्योहारों को देखत हुए डीएम सहित तमाम सरकारी अफसरों की छुट्टी पर रोक लगा दी है। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने इस संबंध में जारी दिशा–निर्देश में कहा है कि वर्तमान में पर्वों के आयोजन का समय है, ऐसे में जिलाधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी तैयार रहें और अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर अवकाश पर न जाएं। मुख्य सचिव ने पत्र में कहा है कि सर्दी का मौसम शुरू हो रहा है। इसके लिए जरूरतमंद लोगों के लिए कंबल, अलाव और रात्रि विश्रामगृहों की व्यवस्था समय से कर ली जाए। ताकि सर्दी बढ़ने पर किसी को कठिनाई का सामना न करना पड़े। इस संबंध में राजस्व विभाग द्वारा धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है।

मुख्य सचिव ने कहा कि कई जिलों से पराली और कूड़ा जलाए जाने की घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं, इसके संबंध में सुप्रीम कोर्ट के कड़े निर्देश हैं। इस संबंध में उत्तरदायित्व निर्धारित कर कार्रवाई की जाए और इन घटनाओं को प्रभावी रूप से रोका जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि शीतकालीन मौसम में कई जिलों में वायु प्रदूषण में वृद्धि हो जाती है। इस संबंध में कार्ययोजना तैयार कर निरंतर अनुश्रवण किया जाए। इसके निराकरण के लिए बैठक आयोजित कर ली जाए और प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही इन बिंदुओं पर की गई कार्रवाई की सूचना भी उपलब्ध कराएं।

योगी राज में भ्रष्टाचार चरम पर, अब जनता चाहती है बदलाव : सचिन पायलट

नोएडा (एजेंसी)। कांग्रेस के युवा तुर्क कहलाने वाले नेता और राजस्थान के पूर्व उप–मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने 'उत्तर प्रदेश में योगी राज में भ्रष्टाचार चरम पर होने' का आरोप लगाते हुए यहां दावा किया कि राज्य की जनता परिवर्तन चाहती है। बुलंदशहर उपचुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी के प्रचार के लिए जाते वक्त पायलट नोएडा से गुजरे और इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने डीएनडी फ्लाईवे एवं परी चौक पर उनका स्वागत किया। इस मौके पर पायलट ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'उत्तर प्रदेश की जनता बदहाल कानून व्यवस्था, बढ़ते भ्रष्टाचार से आजिज आ गई है और बदलाव चाह रही है।'

शिकायत करने गए फरियादी से दारोगा ने किया दुर्व्यवहार, वीडियो वायरल

गोंडा (एजेंसी)। गोंडा जिले में रेप की शिकायत दर्ज कराने गए पीडित परिवार के साथ एक दारोगा ने दुर्व्यवहार किया है। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है,जिसमें कोतवाल संजय पीड़ित परिवार को गंदी–गंदी गालियां भी दे रहा है। बताया गया कि अपने परिजन के साथ हुए दुष्कर्म की रिपोर्ट लिखवाने थाने गए फरियादी के कुर्सी पर बैठ जाने पर कोतवाल आग बबूला हो गया और थाने से निकल जाने को कह दिया। कोतवाल ने कहा जब तक बुलाया न जाए थाने में दिखाई मत देना। इतना ही नहीं, संजय दूबे ने पीड़ित परिवार को गालियां भी दी। जानकारी के मुता?बिक, पीड़ित कई दिनों से थाने का चक्कर लगा रहा था। वह अपनी फरियाद लेकर और कोतवाल द्वारा मांगे गए दस्तावेज के साथ थाने पहुंचा था। कोतवाल ने थाने में पहुंचते ही उसके साथ दुर्व्यवहार किया और फिर थाने से भगा दिया।

कर्मठता, राष्ट्रीयता और देश भक्ति के उत्तम उदाहरण हैं सरदार पटेल–राज्यपाल

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पूर्व उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के मौके पर यहां हजरतगंज स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलायी गई। कार्यक्रम में 'पटेल स्मारिका–2020' का विमोचन भी सम्पन्न हुआ।

राज्यपाल श्रीमती आनंदी पटेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल कर्मठता, राष्ट्रीयता और देश भक्ति के उत्तम उदाहरण हैं। खेड़ा और वारदोली सत्याग्रह के माध्यम से उन्होंने राष्ट्रीय एकता की अलख जलाने का कार्य किया। गांधी जी कहते थे कि यदि सरदार पटेल न होते, तो आजादी मिलने में 10 वर्ष और लगते। वहीं मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सरदार पटेल ने एक सामान्य किसान परिवार में जन्म लिया था। भारत माता के प्रति श्रद्धा और आस्था के कारण उन्होंने अपना पूरा जीवन भारत माता की एकता और अखण्डता के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के समय ब्रिटिश सरकार की नीति थी कि वो भारत को अलग–अलग टुकड़ों में बांटकर हजारों वर्षों से चले आ रहे सनातन राष्ट्र को छिन्न–भिन्न कर दे। उस कुत्सित मंशा को समय रहते सरदार पटेल ने भांप लिया और अपनी सूझ–बूझ और दृढ़ इच्छा शक्ति के बल पर 562 देशी रियासतों को एकता के सूत्र में बांधकर वर्तमान भारत गणराज्य की रूपरेखा प्रस्तुत की।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

वहीं इस कार्यक्रम के बाद राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज ही राजभवन स्थित मुख्य लॉन में स्थापित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया तथा पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन एवं कृतित्व पर लगायी गयी छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

राज्यपाल ने इस अवसर पर श्री जनक सिंह मीना की पुस्तक 'सरदार पटेल व्यक्तित्व, विचार एवं राष्ट्र निर्माण' का विमोचन भी किया।

इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा धर्म परिवर्तन को वैधता ना देने के फैसले का संत समाज ने किया स्वागत

अयोध्या (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा शादी के लिए धर्म परिवर्तन को वैधता ना दिए जाने को लेकर लिए फैसले का अयोध्या के संतों ने स्वागत किया है। तपस्वी छावनी के महंत परमहंस दास ने न्यायपालिका के द्वारा उठाए गए इस कदम पर सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के मामलों में 'लव जिहाद पर रोक लगेगी। वहीं हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने फैसला सुनाने वाले न्यायाधीश को धन्यवाद दिया है। महंत राजू दास का कहना है कि पूरे देश में 'लव जिहाद' प्रकरण का कुचक्र चल रहा है। राजू दास ने ने कहा कि बड़े–बड़े स्कूल कॉलेज में इस तरीके के कामों को करने के लिए युवाओं को भड़काया जा रहा है। फिर शादी के बहाने धर्म परिवर्तन करवाते हैं। शादी के बाद और भी भयानक स्थिति सामने आती है।

उन्होंने कहा कि कोर्ट को धन्यवाद देता हूं कोर्ट ने एकदम सही निर्णय लिया है। साथ ही परमहंस दास ने सभी संत और धर्माचार्य की तरफ से कोर्ट के द्वारा दिए गए निर्णय पर सराहना व्यक्ति की है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट के द्वारा दिया गया फैसला पूरे देश के लिए सराहनीय कदम है।

यौन शोषण मामले में इंसाफ मांगने डीएम ऑफिस पहुंचा पीड़ित परिवार, दिया धरना

अब तक एक ही आरोपी के किया गिरफ्तार, खुलेआम घूम रहे दो आरोपी दे रहे धमकी

बदायूं(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बदायूं में 6 साल की नाबालिग बच्ची का सालभर पहले यौन शोषण करने वाले मामले में तीन आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया। बाकी दो आज भी खुलेआम घूम रहे हैं। इसी से नाराज पीड़ित परिवार ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर धरना दिया। पिता का आरोप है कि प्रशासन के आश्वासन के बावजूद न तो उन्हें मुआवजा मिला, न ही आवास, जबकि आरोपी अभी भी बाहर घूम रहे हैं।

पिता के मुताबिक लगभग एक वर्ष पूर्व उसकी बेटी के साथ यौन उत्पीड़न की घटना को अंजाम दिया गया। जिसकी शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस ने केवल एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बाकी दो साजिशकर्ता अभी भी बाहर घूम रहे हैं और उन्हें धमकाते हैं। पिता का आरोप है कि प्रशासन द्वारा उसे आवास तथा मुआवजा देने का आश्वासन दिया गया था, जो अब तक पूरा नहीं हुआ है। इसको लेकर वह कई बार उच्चाधिकारियों से मिल चुके हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। पिता की मांग है कि इस मामले में उन्हें जल्द से जल्द न्याय मिले। उनका आरोप है कि धमकी की शिकायत लेकर जब वो पुलिस के उच्च अधिकारियों से मिलते हैं, तो उन्हें डांट कर भगा दिया जाता है। लिहाजा अब धरना पर बैठने के अलावा उनके पास कोई चारा नहीं बचा।

पुलिस भर्ती की तैयारी को दौड़ रहीं दो लड़कियों को ट्रक ने रौंदा, मौत

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर–वाराणसी हाईवे पर बेलीपार थाना के महाबीर छपरा चैराहे के पास शनिवार की भोर में पुलिस भर्ती की तैयारी के लिए दौड़ने निकली तीन लड़कियों को गिट्टी लदे ट्रक ने रौंद दिया। दो लड़कियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि तीसरी लड़की को बेलीपार पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, दुर्घटना से आक्रोशित घरवालों ने सड़क जाम कर विरोध करने की तैयारी शुरू कर दी इस बीच उधर से गुजर रहे गोरखपुर सांसद रविकिशन व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शिव प्रकाश शाही ने लोगों को समझाबुझाकर शांत कराया। दुर्घटना के बाद ट्रक छोड़कर चालक फरार हो गया है।

जानकारी के मुताबिक महाबीर छपरा चैराहे पर शनिवार की सुबह घर से रोज की भांति छह लड़कियां दौड़ने के लिए इकट्ठा हुईं।

भोर लगभग 5.30 नेशनल हाइवे 29 पर महाबीर छपरा चैराहे से वह दौड़ लगा रही थीं कि इस बीच जोरदार आवाज हुई।

चैराहे के लोग किसी बड़ी अनहोनी की शंका के बाद घरों से बाहर निकले तो सड़का का मंजर देख सबका कलेजा कांप गया। तीन लड़कियों को ट्रक ने कुचल दिया जिसमें 18 साल की रीमा गुप्ता पुत्री हनुमान प्रसाद निवासी तमलिया थाना गोला व 17 साल की श्रेयजल वर्मा पुत्री विनय वर्मा निवासी महाबीरछपरा थाना बेलीपार दोनों के सर पर ट्रक का पहिया चढ़ गया था उनकी मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई।

जबकि तीसरी लड़की 17 वर्षीय प्रिया वर्मा पुत्री अजय वर्मा निवासी महाबीर छपरा को भी चोट आई। रीमा अपने ननिहाल महाबीर छपरा में रहती थी। मौके पर पहुंची बेलीपार पुलिस ने घायल को तुरंत जिला अस्पताल भेजवाया।

वहीं तीन अन्य लड़कियां करीना 14, नेहा 18, जानू 15 पुत्री देवा नन्द चैधरी कुछ दूरी पर थीं लिहाजा वह बच गईं। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया।

ट्रक को बेलीपार पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। गुस्साए घरवालों ने हाईवे जाम करने की तैयारी शुरू कर दी। भीड़ देखकर उधर से गुजर रहे संसद रवि किशन रूक गए और उन्होंने समझाबुझा कर शांत कराया। ट्रक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। चालक की तलाश की जा रही है।

लव जिहाद के खिलाफ बनायेंगे सख्त कानून–योगी

देवरिया (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐलान किया है कि लव जेहाद के खिलाफ कानून बनेगा और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। वहीं मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाया है कि वह प्रदेश के अन्दर दंगों की एक नई श्रंखला शुरू करना चाहती हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को यहां आयोजित चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं की रक्षा के लिये मिशन शक्ति की शुरूआत कर चुकी है और यह आगे आपरेशन शक्ति में बदलेगा। महिलाओं की इज्जत के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अब पहले से भी अधिक सख्त कार्रवाई की जायेगी और अब लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि कहा कि कल इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि शादी–विवाह के लिए धर्म परिवर्तन आवश्यक नहीं है और नहीं किया जाना चाहिए। इसकी मान्यता नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम लव जिहाद को कड़ाई से रोकने का काम करेंगे तथा प्रभावी कानून बनायेंगे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे लोग सुधर जाय, नहीं तो राम नाम सत्य है कि यात्रा अब निकलने वाली है।

उन्होंने कहा कि सपा में तो अब राजनीतिक क्षमता का अकाल पड़ता दिख रहा है। अब उनमें क्षमता तो नहीं है, लेकिन प्रदेश के अन्दर षंडयंत्र का सलाह देकर दंगा कराना चाहती है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने भी तय किया है कि प्रदेश में दंगाईयों की जगह जेल या कहीं और होगी। प्रदेश के साढ़े तीन साल के शासन काल में एक भी दंगे नहीं हुए। उन्होंने कहा कि सपा, बसपा के 15 वर्ष के शासनकाल में प्रदेश में गुण्डा राज कायम था। आदमी का जीवन और उसकी सम्पत्ति सुरक्षित नहीं रहती थी। लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार के शासन काल में आपरेशन माफिया के तहत आज माफियाओं की सम्पत्ति पर बुल डाेजर चल रहा है। उन्होंने कहा कि आपरेशन माफिया से समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को बुरा लग रहा है। उन्होंने कहा कि हमने कहा कि यह गरीब और व्यापारियों की सम्पत्ति है। उसको वापस लेकर गरीबों को मकान तथा व्यापारियों की सम्पत्ति को उनको वापस करने का काम किया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसी माफिया को पनपने नहीं दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सपा और बसपा समाज को बांटने तथा परिवारवाद को लेकर चलती है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

केंद्रीय गृह सचिव दिल्ली में कोविड-19 की स्थिति की करेंगे समीक्षा

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला सोमवार को दिल्ली में कोरोना वायरस स्थिति की समीक्षा करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के मामलों में अचानक वृद्धि देखने को मिली है। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि केन्द्रीय गृह सचिव क्रमवार आधार पर सभी केन्द्र शासित प्रदेशों की नियमित समीक्षा के तहत सोमवार को दिल्ली में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा करेंगे। दिल्ली में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच यह बैठक होगी। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और दिल्ली सरकार के शीर्ष अधिकारी बैठक में भाग लेंगे। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में एक दिन में सबसे अधिक 5,891 नये मामले सामने आये थे जिससे संक्रमितों का आंकड़ा 3.81 लाख से अधिक पहुंच गया था। दिल्ली में यह तीसरा दिन था जब एक दिन में पांच हजार से अधिक मामले सामने आये थे। बृहस्पतिवार को शहर में कोरोना वायरस के 5,739 मामले सामने आये थे। दिल्ली में शुक्रवार को इस महामारी से 47 और लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 6,470 पहुंच गई थी।

अगर तेजस्वी बिहार के मुख्यमंत्री बनते हैं तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा: संजय राउत

पुणे। शिवसेना सांसद संजय राउत ने शनिवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद यदि राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव राज्य के मुख्यमंत्री बनते हैं तो उन्हें कोई आश्चर्य नहीं होगा। पुणे यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में राउत ने कहा कि बिहार में हो रहे विधानसभा चुनाव की ओर सभी की निगाहें हैं। तेजस्वी का हवाला देते हुए शिवसेना नेता ने कहा, वहां एक युवा नेता हैं जिसके पास कोई मदद नहीं हैं और सीबीआई एवं ईडी जैसी जांच एजेंसियां उन्हें भयभीत कर रही हैं। वह केंद्र सरकार को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, अगर वह बिहार के मुख्यमंत्री बनते हैं तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।

सामान्य जल आपूर्ति बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है दिल्ली जल बोर्ड: राघव चड्ढा

नयी दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने शनिवार को कहा कि बोर्ड दिल्ली में सामान्य जल आपूर्ति बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है। राजधानी में यमुना नदी में अमोनिया का स्तर बढ़ने की वजह से जल आपूर्ति प्रभावित हुई है।
चड्ढा ने सोनिया विहार जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण किया जहां अमोनिया का स्तर बढ़ने से पानी का उत्पादन कम हो गया है। उन्होंने कहा, ''मैंने संबंधित अधिकारियों से मुलाकात की जो दक्षिण दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और उत्तर पूर्व दिल्ली के प्रभावित क्षेत्रों में जल आपूर्ति बहाल करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

उत्तर मध्य रेलवे ने महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए 'मेरी सहेली' पहल की

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे ने अपने सभी तीन मंडलों- प्रयागराज, झांसी और आगरा में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'मेरी सहेली' नाम की पहल की है। इस पहल का उद्देश्य महिला यात्रियों को उनकी पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षा उपलब्ध कराना है। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अजित कुमार सिंह ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की इस पहल के तहत जिस स्टेशन से ट्रेन शुरू हो रही है, वहां आरपीएफ की महिला सुरक्षाकर्मियों की टीम महिला यात्रियों खासकर अकेले यात्रा कर रही महिलाओं से बातचीत कर उन्हें यात्रा के दौरान सभी तरह की सावधानियों से अवगत कराएगी। उन्होंने बताया कि यह टीम महिला यात्रियों को सुरक्षा संबंधी किसी भी समस्या आने पर 182 नंबर डायल करने की सलाह देंगी। यदि महिलाओं से जुड़ी किसी समस्या की सूचना दी जाती है तो रेलवे द्वारा हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। सिंह के मुताबिक, आरपीएफ की टीम महिला यात्रियों की सीटों के नंबर एकत्रित करेगी और कंट्रोल रूम के जरिए उन स्टेशनों को उपलब्ध कराएगी जहां ट्रेन रुकेगी। प्लेटफार्म पर ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ के कर्मचारी संबंधित बोगियों पर नजर रखेंगे।

सीएम उद्धव ने केंद्र से प्याज भंडारण की सीमा बढ़ाने की मांग की

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि राज्य में प्याज के थोक व्यापारियों के लिए भंडारण की सीमा बढ़ाकर 1,500 मीट्रिक टन की जाए। ये व्यापारी सीधे किसानों से प्याज खरीदते हैं। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल को 30 अक्टूबर को लिखे एक पत्र में ठाकरे ने कहा कि थोक विक्रेताओं ने मात्र 25 मीट्रिक टन भंडारण सीमा होने के चलते किसानों से प्याज खरीदना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा, 'इससे किसानों से उपभोक्ताओं तक की आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है जिससे खुदरा बाजार में प्याज की कीमतों में उछाल आया है।' उन्होंने कहा, 'खरीफ का प्याज नवंबर के पहले सप्ताह से ही आना शुरू होगा। खरीफ का प्याज जल्दी खराब हो जाता है। यदि भंडारण की सीमा के चलते व्यापारियों ने इस प्याज को नहीं खरीदा तो महाराष्ट्र के किसानों को बहुत घाटा हो जाएगा।' मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले छह महीने में प्याज के किसानों को कोविड-19 महामारी के चलते बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने आग्रह किया कि भंडारण की सीमा बढ़ाकर 1,500 मीट्रिक टन की जाए।

योगी का दावा, लव जिहाद को सख्ती से रोकने के लिए बनाएंगे प्रभावी कानून

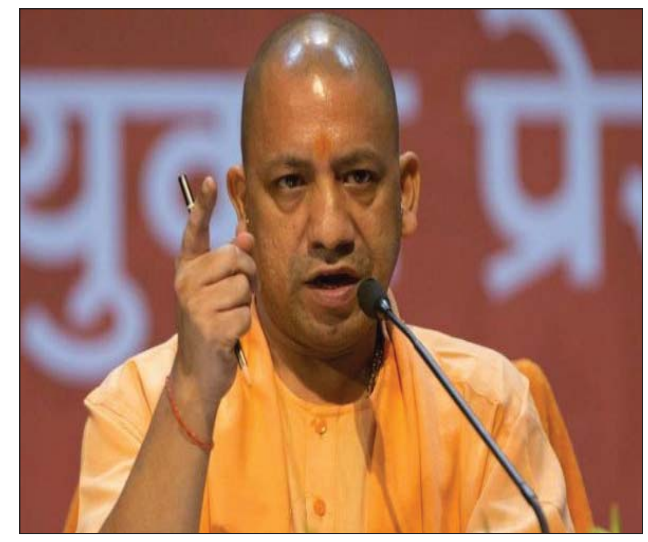

देवरिया/जौनपुर। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश दिया है कि शादी-ब्याह के लिए धर्म परिवर्तन जरूरी नहीं है, इसलिए सरकार ने भी फैसला किया है कि लव जिहाद को सख्ती से रोका जाएगा। इसके लिए प्रभावी कानून बनाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग नाम छिपाकर बहू-बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ करते हैं, वे अगर सुधरे नहीं तो 'राम नाम सत्य' की उनकी अंतिम यात्रा निकलने वाली है। देवरिया और जौनपुर जिले की मल्हनी विधानसभा क्षेत्र के उप चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में आयोजित जन सभाओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार मां-बहनों की इज्जत की सुरक्षा करने को दृढ़ संकल्पित है। इसके लिए 'मिशन शक्ति' की शुरुआत हो चुकी है जो आगे चलकर जल्द ही 'ऑपरेशन शक्ति' में बदलेगा।

लव जेहाद में शामिल लोगों के पोस्टर चौराहों पर लगाए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को मिल रहे समर्थन से निराश हो चुकी समाजवादी पार्टी प्रदेश में दंगे शुरू करना चाहती है और इसके लिए वह नए-नए षडयंत्र रच रही है।योगी ने दावा किया कि पिछले साढ़े तीन साल में प्रदेश में कोई दंगा नहीं होने दिया और आगे भी नहीं होने देंगे। देवरिया मुख्यालय स्थित राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में सभा को संबोधित करते हुएयोगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि प्रदेश में गुंडों और माफिया का राज अब समाप्त हो चुका है। योगी ने कहा कि पिछले कई महीनों से 'आपरेशन माफिया' चलाकर गलत तरीके से अर्जित की गई भूमि और उनकी संपत्ति पर बुलडोजर चलवाया जा रहा है और जब्ती की कार्रवाई हो रही है। योगी ने कहा कि ग़रीबों एवं व्यापारियों से अवैध रूप से अर्जित की गई इन परिसंपत्तियों को ढहाकर कर वहां फिर से नए मकान बनाए जाएंगे तथा गरीबों एवं व्यापारियों को आवंटित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार में देवरहा बाबा के आश्रम पर कब्जा करने का प्रयास किया गया, जिसकी वजह से उन्हें देवरिया छोड़ कर वृंदावन जाना पड़ा था, लेकिन भाजपा की सरकार ने उनके नाम पर मेडिकल कॉलेज बनाने का पुनीत कार्य शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन के दौरान देवरिया जिले के तरकुलवा थाना अंतर्गत बसंतपुर धूसी निवासी शहीद रामचंद्र की शहादत को याद करते हुए देवरिया जिले में उनकी स्मृति में भव्य स्मारक बनाए जाने की बात कही। जौनपुर की सभा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि देश में मोदी व राज्य में योगी न होते तो जयश्री राम का नारा भी न लग पाता।

केंद्रीय कानूनों का विरोध कर किसानों को गुमराह कर रहे हैं गहलोत: सतीश पूनिया

जयपुर। राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय कृषि कानूनों का विरोध कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राज्य के किसानों को गुमराह कर रहे हैं। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के कृषि संबंधी कानूनों के राज्य के किसानों पर असर को निष्प्रभावी करने के लिए तीन संशोधन विधेयक शनिवार को विधानसभा में पेश किए। इस पर अपनी प्रतिक्रिया में पूनियां ने कहा कि गहलोत मोदी सरकार के कल्याणकारी कृषि कानूनों के खिलाफ विधानसभा का सत्र आहूत करवाकर प्रदेश के किसानों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। पूनिया ने एक बयान में कहा, गहलोत सहकारी संघवाद की बात करते हैं औरकेन्द्र के कल्याणकारी कृषि कानूनों के खिलाफ विधानसभा में संशोधन विधेयक ला रहे हैं। हकीकत जबकि यह है कि केन्द्र सरकार द्वारा बनाये गये किसी भी कानून के खिलाफ राज्य सरकार कोई कानून नहीं ला सकती। इस बीच पूनियां ने जयपुर, जोधपुर व कोटा के महापौर चुनाव हेतु चुनाव समिति का गठन किया है। चुनाव समिति में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया, उपनेता राजेन्द्र राठौड़, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल व कैलाश चौधरी को शामिल किया गया है। इसके साथ ही पार्टी ने पंचायत चुनाव-2020 के संचालन के लिए भी राज्य स्तरीय चुनाव संचालन समिति गठित की है।

कांग्रेस और लालू पर जमकर बरसे जेपी नड्डा, राम मंदिर मामले में बाधा डालने का लगाया आरोप

सोनपुर। (एजेंसी)।

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को यहां एक चुनावी रैली में राम मंदिर का मुद्दा उठाते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद और कांग्रेस पर इसमें बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के दोबारा आने पर इस विषय की उच्चतम न्यायालय में प्रतिदिन के आधार पर सुनवाई हुई और न्यायालय का फैसला आने के बाद अब अयोध्या(उत्तर प्रदेश) में भव्य राम मंदिर का निर्माण होने जा रहा है। नड्डा ने सोनपुर में लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए कहा, ''राम जन्मभूमि के लिये करोड़ों लोग लगे। लेकिन जब आडवाणी जी की राम रथयात्रा निकली थी, तो यहीं बिहार की धरती पर लालू यादव ने उस रामरथ को रोका था और यहीं के राम भक्तों ने उस यात्रा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था।''

भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर भी प्रहार करते हुए कहा कि राम मंदिर के मामले में एक पक्ष के वकील कपिल सिब्बल ने उच्चतम न्यायालय में इस मामले को लटकाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, ''देश के सभी लोग चाहते थे कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर बने। कांग्रेस ने इसे लटकाने, अटकाने और भटकाने का काम किया।'' बिहार में विपक्षी महागठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, '' राष्ट्रीय जनता दल अराजकता वाली पार्टी है। भाकपा-माले समाज में विध्वंस फैलाती है। कांग्रेस पार्टी देश विरोधी है। यह है बिहार में महागठबंधन। यह महागठबंधन बिहार में विकास नहीं कर सकता।''

नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी दिन-रात चीन की बात करते हैं, लेकिन राजीव गांधी फाउंडेशन के लिए चीन से पैसा लेकर वह राष्ट्रभक्त बन रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल पर निशाना साधते हुए कहा, '' मैंने आरोप लगाया कि राजीव गांधी फाउंडेशन ने चीन से जो पैसे लिए, उसका जवाब दो, आज तक मां-बेटे ने कोई जवाब नहीं दिया।'' भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पुलवामा आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ होने की बात पड़ोसी देश के मंत्री ने स्वीकार की, लेकिन कांग्रेस, राहुल गांधी इस बारे में पहले सबूत मांग रहे थे।

नड्डा ने कहा कि पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 समाप्त करने के केंद्र के फैसले पर राहुल के बयान को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री संयुक्त राष्ट्र में उद्धृत करते हैं। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की एक गगनचुंबी प्रतिमा का निर्माण (गुजरात में) भाजपा सरकार ने कराया है, जहां लाखों श्रद्धालु जाकर श्रद्धांजलि देते हैं, लेकिन कांग्रेस के नेता वहां नहीं जाते हैं। विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आज जब 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती है, तो कांग्रेस के लोग धरना दे रहे हैं। राजद सहित महागठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 'तेल पिलावन, डंडा भजावन'' वाले लोगों ने पहले भी मौका मिलने पर कुछ नहीं किया और आगे भी कुछ नहीं करेंगे।

राजद नेता तेजस्वी यादव द्वारा महागठबंधन के सत्ता में आने के बाद युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वादा किए जाने पर तंज करते हुए नड्डा ने कहा, '' बिहार से लोगों को पलायन करने को मजबूर करने वाले क्या रोजगार देंगे ?'' नड्डा ने कहा कि पिछला चुनाव (मुख्यमंत्री) नीतीश कुमार जी ने लालू जी के साथ महागठबंधन के तहत लड़ा था। उन्होंने सवाल किया, '' महागठबंधन क्यों टूटा? महागठबंधन इसलिए टूटा कि नीतीश जी समझ गए थे कि उनका सुशासन इन कुशासन वालों के साथ नहीं चल सकता है।'' नड्डा ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत करीब 1.70 लाख करोड़ रुपये देकर मार्च से लेकर छठ और दीवाली तक 80 करोड़ गरीबों को 5 किग्रा गेहूं या चावल और 1 किग्रा दाल मुफ्त दी जा रही है। नड्डा ने कहा कि किसान सम्मान निधि योजना के तहत 8.56 करोड़ किसानों को 2-2 हजार रुपये दिए हैं।

नए भूमि कानूनों के खिलाफ कांग्रेस ने जम्मू में किया विरोध प्रदर्शन

जम्मू। कांग्रेस की जम्मू कश्मीर इकाई ने केंद्र शासित प्रदेश के लिए अधिसूचित किये गए नए भूमि कानूनों के खिलाफ शनिवार को जम्मू में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने कहा कि केंद्र सरकार को इनकी जमीन और नौकरियां छीन कर' शांतिप्रिय नागरिकों के धैर्य की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री रमन भल्ला ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर यहां इंदिरा चौक पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने के बादविरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व किया। नये भूमि कानूनों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सचिवालय तक मार्च करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोक दिया। भल्ला ने आरोप लगाया, 'हाल ही में संशोधित किए गए जम्मू-कश्मीर भूमि कानून जनविरोधी, गरीब विरोधी और जम्मू विरोधी हैं।' संशोधनों को तत्काल रद्द करने की मांग करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि ये नए कानून भेदभावपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, 'सरकार को जम्मू-कश्मीर के शांतिप्रिय नागरिकों के धैर्य की परीक्षा उनकी जमीन और नौकरियां छीनकर नहीं लेनी चाहिए।' भल्ला ने केंद्र के नये कृषि कानूनों को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि किसानों के समग्र आर्थिक हितों के खिलाफ इन कृषि कानूनों के विरोध में किसानों ने कमर कस ली है। इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि गरीबों, दलितों के उत्थान और राष्ट्र के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए उन्हें हमेशा ही जननेता के रुप में याद किया जाएगा। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी ने इंदिरा की पुण्यतिथि को 'किसान अधिकार दिवस' के रूप में मनाया और जम्मू-कश्मीर के सभी जिला मुख्यालयों पर सत्याग्रह का आयोजन किया गया।

दिल्ली बीजेपी चीफ बोले, प्रदूषण एवं अधिक बिजली बिल के खिलाफ लगातार जारी रखेंगे संघर्ष

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लोगों के समक्ष उत्पन्न बिजली के अधिक बिल एवं पर्यावरण जैसी समस्याओं के खिलाफ भाजपा अपना संघर्ष जारी रखेगी। इससे पहले गुप्ता ने शनिवार को यहां प्रखंड स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की। मालवीय नगर प्रखंड प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुये गुप्ता ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी हमला बोला और कहा कि सरकार का बजट 60 हजार करोड़ रुपये का है लेकिन कोई नहीं जानता है कि यह धन कहां खर्च होता है जबकि दिल्ली के लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के 32 प्रखंडों में इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया जिन्हें 80 पार्टी नेताओं ने संबोधित किया जिसमें पार्टी की विचाराधारा, सोशल मीडिया का इस्तेमाल और आत्म निर्भर भारत के सिद्धांतों तथा दिल्ली के महत्वपूर्ण स्थानीय मुद्दों पर चर्चा हुयी।

गुप्ता ने बताया कि पार्टी का लक्ष्य सत्ता में आना नहीं बल्कि लोगों की सेवा करना है जैसा कि इसने लॉकडाउन की अवधि में किया जबकि पार्टी सत्ता में भी न हीं थी। उन्होंने कहा, लॉकडाउन के दौरान प्रधानमंत्री के आह्वान पर बिना किसी भेद-भाव एवं राजनीति के पार्टी कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के हर गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग अब भी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इसमें बिजली के बड़ा बिल और बढ़ता प्रदूषण शामिल है और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकता इन मुद्दों का समाधान होने तक केजरीवाल सरकार के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखेंगे। रविवार को कार्यक्रम के दूसरे दिन पार्टी के 100 नेता प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रमुख नवीन कुमार ने बताया कि राजधानी के सभी 280 प्रखंडों में 22 नवंबर तक चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

कर्नाटक विधानसभा उपचुनाव के बाद मंत्रिमंडल विस्तार शीघ्र होगा: येदियुरप्पा

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने शनिवार को कहा कि तीन नवंबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के बाद मंत्रिमंडल विस्तार शीघ्र किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि आर आर नगर सीट से भाजपा उम्मीदवार मुनिरत्न के जीतने के शीघ्र बाद उन्हें मंत्री बनाया जाएगा। येदियुरप्पा ने संवाददाताओं से कहा, ''विभिन्न कारणों को लेकर इसे (मंत्रिमंडल विस्तार को) कुछ समय के लिए रोक दिया गया था। मैं इस पर पार्टी के नेताओं से चर्चा करने के लिए दिल्ली जाउंगा।'' उन्होंने आर आर नगर में एक रोड शो से पहले कहा, ''उपचुनाव के नतीजों की घोषणा होने के शीघ्र बाद यह होगा। '' उन्होंने कहा, ''मैं उपचुनाव में उनके जीतने पर उन्हें (मुनिरत्न को) बेशक मंत्री बनाने जा रहे हूं।'' वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने मुनिरत्न के बारे में की गई मुख्यमंत्री की इस घोषणा की आलोचना करते हुए कहा कि यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। आर आर नगर उपचुनाव राज्य में तीनों प्रमुख पार्टियों- भाजपा, कांग्रेस और जद (एस)-- के लिये प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। कांग्रेस के पूर्व विधायक मुनिरत्न के पिछले साल विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने और भाजपा में शामिल हो जाने के कारण इस सीट पर उपचुनाव कराने की जरूरत पड़ी है। कांग्रेस ने पूर्व आईएएस अधिकारी डी के रवि की पत्नी एच कुसुमा को, जबकि जद (एस) ने वी कृष्णमूर्ति को उम्मीदवार बनाया है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर कोई बदलाव नहीं: विजयवर्गीय

कोलकाता। (एजेंसी)।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में अगले साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव के दौरान दिलीप घोष ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहेंगे। साथ ही, उन्होंने घोष को पद से हटाए जाने के बारे में मीडिया में आई खबरों का खंडन किया। मीडिया के एक हिस्से में ऐसी खबरें आई थीं कि घोष को चुनाव से पहले इस पद से हटाया जा सकता है क्योंकि केन्द्रीय नेतृत्व प्रदेश भाजपा में अंदरूनी कलह से खुश नहीं है। विजयवर्गीय ने कहा, ''खबरें न केवल आधारहीन हैं, बल्कि भ्रामक और राजनीतिक रूप से प्रेरित भी है। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि पश्चिम बंगाल भाजपा दिलीप घोष के प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्हें हटाने का कोई सवाल ही नहीं है।''

घोष के करीबी माने जाने वाले एवं पश्चिम बंगाल भाजपा महासचिव सायंतन बसु ने कहा, ''दिलीप दा को अपना पहला कार्यकाल पूरा करने के बाद इस जनवरी में तीन साल के लिए फिर से चुना गया था। उन्हें हटाने का कोई सवाल ही नहीं है।'' घोष ने खुद कहा है कि वह पार्टी के

''वफादार सिपाही'' हैं और ऐसी किसी भी खबर के बारे में नहीं जानते हैं। पार्टी की प्रदेश इकाई में हाल ही में एक बड़ा संगठनात्मक बदलाव देखे जाने के बाद इन अटकलों को बल मिला था।

राज्य में दशकों तक राजनीतिक रूप से सीमित मौजूदगी के बाद भाजपा सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरी है। पिछले साल हुए आम चुनाव में पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों में से भगवा पार्टी ने 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी। भाजपा नेताओं ने विश्वास जताया है कि वे अगले साल अप्रैल-मई में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के 10 साल के शासन को समाप्त कर देंगे।

'हिंदुत्व' की सफलता का मतलब यह होगा कि भारत की अवधारणा का अंत हो गया: थरूर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने 'हिंदुत्व' को 1947 की मुस्लिम सांप्रदायिकता का 'प्रतिबिंब' करार देते हुए कहा है कि इसकी सफलता का मतलब यह होगा कि भारतीय अवधारणा (इंडियन आइडिया) का अंत हो गया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि 'हिंदुत्व' कोई धार्मिक नहीं, बल्कि 'राजनीतिक सिद्धांत' है। थरूर ने अपनी नयी पुस्तक 'द बैटल ऑफ बिलॉगिंग' में कहा कि 'हिंदू भारत' किसी भी तरह से हिंदू नहीं होगा, बल्कि 'संघी हिंदुत्व राज्य' होगा जो पूरी तरह से अलग तरह का देश होगा। उनकी इस पुस्तक का शनिवार को विमोचन हुआ। कांग्रेस सांसद ने कहा, ''मेरे जैसे लोग जो अपने प्यारे भारत को संजोए रखना चाहते हैं, उनकी परवरिश इस तरह हुई है कि वे धार्मिक राज्य का तिरस्कार करें।'' उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुत्व आंदोलन की जो बयानबाजी है उससे उसी कट्टरता की गूंज सुनाई देती है जिसको खारिज करने के लिए भारत का निर्माण हुआ था।

'एलेफ बुक कंपनी' द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में थरूर ने हिंदुत्व और संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) की आलोचना की है। उनका कहना है कि ये भारतीयता के बुनियादी पहलू के लिए चुनौती हैं। अपने 'हिंदू पाकिस्तान' वाले बयान से संबंधित विवाद को समर्पित एक पूरे अध्याय में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''मैंने सत्ताधारी पार्टी की ओर से पाकिस्तान का हिंदुत्व वाला संस्करण बनाने के प्रयास की निंदा की थी क्योंकि इसके लिए हमारा स्वतंत्रता आंदोलन नहीं था और न ही यह भारत की अवधारणा है जिसे हमारे संविधान में समाहित किया गया।'' वह लिखते हैं, ''यह सिर्फ अल्पसंख्यकों के बारे में नहीं है जैसा भाजपा हमें मनवाना चाहेगी। मेरे जैसे बहुत सारे गौरवान्वित हिंदू हैं जो अपनी आस्था के समावेशी स्वभाव को संजोते हैं और अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान के लोगों की तरह असहिष्णु एवं एक धर्म आधारित राज्य में रहने का इरादा नहीं रखते।'' थरूर ने कहा, ''हिंदुत्व हिंदू धर्म नहीं है। यह एक राजनीतिक सिद्धांत है, धार्मिक नहीं है।''

सीएए की आलोचना करते हुए थरूर ने कहा कि यह पहला कानून है जो देश की उस बुनियाद पर सवाल करता है कि धर्म हमारे पड़ोस और हमारी नागरिकता को तय करने का पैमाना नहीं हो सकता। उनके मुताबिक, यह संशोधित कानून एक समावेशी राज्य के तौर पर भारत को लेकर जो धारणा है उसपर भी चोट करता है। हिंदुत्व के संदर्भ में कांग्रेस नेता इस पुस्तक में लिखते हैं, ''हिंदुत्व आंदोलन 1947 की मुस्लिम सांप्रदायिकता का प्रतिबिंब है। इससे संबंधित बयानबाजी से उस कट्टरता की गूंज सुनाई देती है जिसे खारिज करने के लिए भारत का निर्माण हुआ था। उन्होंने कहा कि इस हिंदुत्व की सफलता का मतलब यह होगा कि भारतीय अवधारण का अंत हो गया। एआईएमआईएम नेता वारिस पठान के 'भारत माता की जय' का नारा नहीं लगाने से जुड़े विवाद का उल्लेख करते हुए थरूर ने कहा कि कुछ मुस्लिम कहते हैं कि 'हमे जय हिंद, हिंदुस्तान जिंदाबाद, जय भारत कहने के लिए कहिए, लेकिन 'भारत माता की जय' कहने के लिए मत कहिए।' उन्होंने कहा, ''यह संविधान हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आजादी देता है और हमें चुप रहने की भी आजादी देता है। हमें दूसरों के मुंह में अपने शब्द नहीं डाल सकते।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)